आज का सुविचार

मनुष्य जीवन अनुभव का शास्त्र है।
- विनोबा भावे

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-23 भोपाल, शनिवार 04 दिसम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

पंचांग

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष चतुर्थी, शनिवार 22 विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:40/5:36
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	22 %
वायु (किमी/घं.)	08
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तौला

₹ 48,050

शेयर सूचकांक

बीएसई	57696.46	-764.83
निफ्टी	17196.70	-204.95

टंट्या भील बलिदान दिवस; प्रभारी मंत्री ने लिया जायजा : कांग्रेस पर तंज;

ममता ने सही कहा है अब न बुआ साथ है न बबुआ न ही दीदी

इंदौर/भोपाल

वनवासी समाज के अमर क्रांतिकारी टंट्या मामा के बलिदान दिवस पर 4 दिसम्बर को नेहरू स्टेडियम में आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर प्रदेश के गृह मंत्री व प्रभारी मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा शुक्रवार को तैयारियां का जायजा लिया। उन्होंने मंत्री तुलसी सिलावट व नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे के साथ मैदानी स्थिति जानी। इसके साथ इंदौर की जनता से प्रार्थना की कि हम आधे दिन के लिए आधे हिस्से के मार्गों का ट्रैफिक डायवर्ट कर रहे हैं क्योंकि कार्यक्रम काफी भव्य है। वे इस मौके पर कांग्रेस पर तंज कसना नहीं भूले। ममता द्वारा क्क नामक चीज नहीं बची है, के बयान पर कहा कि

ममता ने सही कहा है कि अब न बुआ साथ है और न बबुआ साथ है और न दीदी साथ है। कपिल सिब्बल ने कहा कि आत्मा ही साथ बची है तो आत्मा भी अब बहुत जल्दी प्रेतात्मा बनेगी। डॉ. मिश्रा ने कार्यक्रम स्थल को पातालपानी से नेहरू स्टेडियम में करने को लेकर कहा कि पुराने समय में एक कहावत हुआ करती थी कि बादल और बादशाहों का क्या भरोसा, क्या पता कब बरसे? उसमें से बादल के कारणों से पातालपानी में पार्किंग का स्थल ज्यादा खराब हुआ इसलिए मुख्य कार्यक्रम स्टेडियम में रखा है। 1 लाख लोगों की व्यवस्था की गई है। इधर, कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर 300 से ज्यादा मजदूरों लगाया गया है। गुरुवार को दिनभर की बारिश के बाद रात को रुकी तो काम में और तेजी आई तथा मैदान को समतल किया जा रहा है। वैसे रात को कमिश्नर डॉ. पवन कुमार शर्मा, कलेक्टर मनीष सिंह व भाजपा नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे ने नेहरू स्टेडियम जाकर तैयारियां देखी। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर 300 से ज्यादा मजदूरों लगाया गया है। गुरुवार को दिनभर की बारिश के बाद रात को रुकी तो काम में और तेजी आई तथा मैदान को समतल किया जा रहा है। वैसे रात को कमिश्नर डॉ. पवन कुमार शर्मा, कलेक्टर मनीष सिंह व भाजपा नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे ने नेहरू स्टेडियम जाकर तैयारियां देखी।

इन्फिनिटी फोरम में प्रधानमंत्री

फिनटेक को क्रांति में बदलने का समय आ गया है, मोबाइल पेमेंट रिकॉर्ड स्तर पर : मोदी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि फिनटेक पहल को फिनटेक क्रांति में बदलने का समय आ गया है। एक क्रांति जो देश के हर नागरिक को फाइनेंशियल मजबूती प्रदान करती है। मोबाइल पेमेंट इसका जीता जागता उदाहरण है, जिसके जरिए रिकॉर्ड स्तर पर पेमेंट किया गया है।

इन्फिनिटी फोरम का उदघाटन

प्रधानमंत्री ने आज इन्फिनिटी फोरम का उदघाटन किया। उन्होंने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए इसमें भाग लिया। मोदी ने कहा कि करेंसी का इतिहास जबरदस्त विकास दिखाता है। जैसे-जैसे इंसान विकसित हुआ, वैसे-वैसे हमारे लेन-देन के तरीके में भी बदलाव आया। उन्होंने कहा कि पहले यह सामानों का लेन-देन का तरीका था। फिर सिक्कों तक यह पहुंचा। इसके बाद नोट का चलन हुआ और फिर चेक के जरिए इसमें बदलाव लाया गया। हालांकि आज यह पूरी तरह से डिजिटल में बदल गया है।

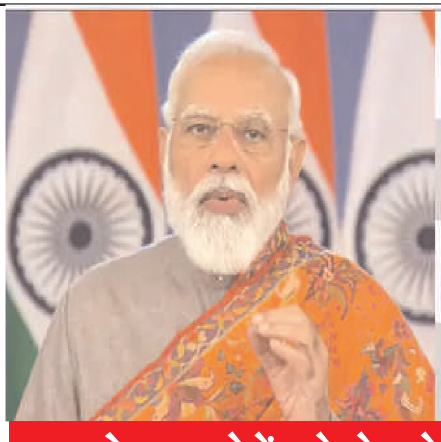

पहले सामानों का लेन-देन होता था

फिर यह सिक्कों के रूप में आया

बाद में यह चेकबुक बन गया

अब डिजिटल के रूप में यह काम कर रहा है

मोबाइल पेमेंट से लेन-देन में तेजी

नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले साल भारत में मोबाइल पेमेंट से लेन-देन पहली बार एटीएम से निकलने वाली नकदी से ज्यादा का रिकॉर्ड हासिल किया। बिना किसी फिजिकल ब्रांच के पूरी तरह से डिजिटल ब्रांच आज एक हकीकत है। बता दें कि भारत में इस समय डिजिटल बैंकिंग शुरू करने की योजना बन रही है। इस बैंक की कोई फिजिकल ब्रांच नहीं होगी। इस पर सरकार का थिंक टैंक नीति आयोग काम कर रहा है।

मुकेश अंबानी, उदय कोटक भी होंगे शामिल

इस कार्यक्रम के मुख्य भागीदारों में इन्वेस्ट इंडिया, फिक्की और नैसकॉम के साथ नीति आयोग भी है। प्रमुख वक्ताओं में मलेशिया के वित्तमंत्री तेंगकू जफरूल अजीज, इंडोनेशिया की वित्तमंत्री मुल्यानी इंद्रावती, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी, जापान के सॉफ्टबैंक के चेयरमैन मासायोशी सून, IBM कॉर्प के चेयरमैन अरविन्द कृष्ण, कोटक बैंक के स्त्र उदय कोटक और अन्य लोग शामिल होंगे।

दुनिया के साथ साझा करने में विश्वास

मोदी ने कहा कि हम अपने अनुभवों और विशेषताओं को दुनिया के साथ साझा करने में विश्वास रखते हैं। उनसे सीखने में भी विश्वास रखते हैं। हमारे डिजिटल पब्लिक इंफ्रा दुनिया भर के नागरिकों के जीवन को बेहतर बना सकते हैं। इस कार्यक्रम में 70 से अधिक देशों के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। इसका आयोजन केंद्र सरकार के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण ने किया है।

शनिवार तक चलेगा कार्यक्रम

यह कार्यक्रम शनिवार तक चलेगा। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, पहले संस्करण में इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका और ब्रिटेन भागीदार देश हैं। इस प्लेटफॉर्म के जरिए पॉलिसी, बिजनेस और टेक्नोलॉजी में दुनिया के अग्रणी लोगों को एक साथ लाए जाने की योजना है। इसमें इस बात पर भी चर्चा होगी कि कैसे एक समावेशी वृद्धि और मानवता की सेवा के लिए फिनटेक इंडस्ट्री के जरिए टेक्नोलॉजी और इनोवेशन का फायदा उठाया जाए।

ओमिक्रॉन के लिए बूस्टर : भारतीय वैज्ञानिक बोले-

40 साल से ऊपर वालों को लगे बूस्टर डोज; जिन्हें खतरा ज्यादा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कोरोना के नए वैरिएंट के खतरे के बीच भारत में भी बूस्टर डोज लगाए जाने का प्रस्ताव रखा गया है। टॉप जीनोम साइंटिस्ट ने कहा है कि 40 साल से ऊपर के लोगों को बूस्टर डोज लगाई जाए। इसमें फोकस उन पर रखा जाए, जिन्हें खतरा ज्यादा है। इंडियन सार्स-कोविड-2 जेनेटिक कंसोर्शियम के बुलेटिन में बूस्टर डोज की सिफारिश की गई है।

बूस्टर डोज क्यों है जरूरी?

पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के माइक्रो वायरोलॉजी विभाग के पूर्व ।।ह्ष्ठ प्रोफेसर डॉ. सत्येंद्र सिंह ने बताया कि जिन लोगों को सेकेंड डोज लिए 6 से 9 महीने हो गए हैं उन्हें बूस्टर डोज देना चाहिए, क्योंकि 6 से 9 महीने में एंटीबॉडी फॉल पर होती है। यही कारण है कि इन्फ्लुएंजा वैक्सीन जो हम लोग लेते हैं उसका भी एक साल में डोज दिया जाता है।

देश में बूस्टर डोज पर पॉलिसी कब तक?

देश की कोविड टास्क फोर्स के चेयरमैन डॉ. एनके अरोड़ा ने कहा है कि सरकार गंभीर रोगियों और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों के लिए वैक्सीन की एडिशनल डोज (बूस्टर डोज) पर नई पॉलिसी लाने जा रही है। नेशनल टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप इस पॉलिसी को 2 हफ्ते में तैयार करेगा। NTAG देश के 44 करोड़ बच्चों के वैक्सीनेशन के लिए भी नई पॉलिसी लाने जा रहा है।

3 राज्यों में जवाद तूफान की दस्तक : आंध्र प्रदेश, बंगाल और ओडिशा में भारी बारिश की चेतावनी

बंगाल। बंगाल की खाड़ी में बने साइक्लोन जवाद के रविवार सुबह ओडिशा और आंध्र प्रदेश के कई तटवर्ती इलाकों से टकराने की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभागने इस दौरान 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान जताया है। तूफान से निपटने के लिए तीनों राज्यों ओडिशा, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश में ह्ष्ठक्रस्न की 46 टीमें तैनात की जा चुकी हैं। वहीं, राज्यों की तरफ से भी निर्देश जारी किए गए हैं। NDRF के डॉयरेक्टर जनरल अतुल करवाल ने कहा- जवाद से निपटने के लिए कुल 46 टीमों को ओडिशा, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश भेजा गया है। किसी भी टीम को एयरलिफ्ट करने के लिए भी हम तैयार हैं।

हरियाणा में प्रदूषण से हालात खराब, 4 जिलों में स्कूल बंद; 14 जिलों में निर्माण कार्य रोके

हरियाणा। हरियाणा के नई दिल्ली से लगते 4 जिलों- सोनीपत, गुरुग्राम, फरीदाबाद और झज्जर में पॉल्यूशन की वजह से हालात खराब होते जा रहे हैं। ऐसे में पर्यावरण विभाग ने अगले आदेश तक इन चारों जिलों में सारे स्कूल बंद कर दिए हैं। इन जिलों में सभी प्राइवेट और सरकारी स्कूल अगले आदेश तक बंद रहेंगे। सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आते इन चारों जिलों में 14 नवंबर को भी स्कूल बंद करवाए थे, जिन्हें 5 दिन पहले ही दोबारा खोला गया। पर्यावरण विभाग ने स्कूलों के अलावा हरियाणा के 22 में से 14 जिलों में सभी तरह के निर्माण कार्यों पर भी रोक लगा दी है।

भोपाल में व्यापारियों का बड़ा निर्णय

ग्राहक को वैक्सीन के दोनों डोज लगवाना अनिवार्य; मास्क लगाए होने पर ही मिलेगा प्रवेश

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

भोपाल के थोक किराना व्यापारियों ने बड़ा निर्णय लिया है। थोक किराना बाजार जुमेराती हनुमानगंज में ग्राहक को सामान खरीदने के लिए वैक्सीन के दोनों लगवाना जरूरी कर दिया है। इतना ही नहीं अब बिना मास्क नही मिलेगा प्रवेश भी नहीं मिलेगा। भोपाल किराना व्यापारी महासंघ के महासचिव अनुपम अग्रवाल ने बतायाकि पुराने भोपाल शहर के थोक

किराना बाजार में अनिवार्य रूप से काम करने वाले कर्मचारियों, मजदूरों को करोना वैक्सीन के दोनों डोज लगवाना अनिवार्य कर दिया है। सभी कर्मचारियों से लेकर व्यापारी तक मास्क पहन कर रहना अनिवार्य कर दिया है। इस बाजार में आने वाले सभी लोगों से भी कहा जा रहा है कि इस बाजार में खरीददारी करने से पहले कॅरोना के दोनों डोज अनिवार्य रूप से लगवाकर और मास्क पहने होने पर ही प्रवेश करें। अनुपम ने बताया कि मध्यप्रदेश में पिछले कुछ दिनों से कोरोना पॉजिटिव के आंकड़ों में बढ़ोतरी हुई है। भोपाल और इंदौर शहरों में सबसे ज्यादा केस मिल रहे हैं।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

98 26 22 00 22

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

अब 33 देशों में ओमिक्रॉन की दस्तक; फ्रांस-अमेरिका में 7-7 नए केस, मलेशिया में पहला मामला मिला

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली/वाशिंगटन

फ्रांस में ओमिक्रॉन संक्रमितों की संख्या 8 पहुंच गई है। फ्रांस की सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी ने यह जानकारी दी है। यहां ओमिक्रॉन का पहला मामला मंगलवार को विदेश विभाग में मिला था। 50 साल का यह संक्रमित नाइजीरिया से लौटा था। अगले दिन बुधवार को फ्रांस सरकार के प्रवक्ता गेब्रियल अट्टल ने बताया था कि देश में 13 संदिग्ध मामलों की पहचान की गई है।

मलेशिया में ओमिक्रॉन का पहला संक्रमित मिला, 19 नवंबर को सिंगापुर के रास्ते मलेशिया पहुंचा:- कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट ने एशिया में भी पैर पसारना शुरू कर दिया है। मलेशिया के हेल्थ मिनिस्टर खैरी जमालुद्दीन ने बताया

कि देश में ओमिक्रॉन का पहला मामला दर्ज किया गया है। दक्षिण अफ्रीका के एक विदेशी यात्री में नया वैरिएंट पाया गया है। यह यात्री 19 नवंबर को सिंगापुर के रास्ते मलेशिया पहुंचा था।

दक्षिण अफ्रीका से सिंगापुर लौटे 2 यात्री ओमिक्रॉन संक्रमित, आइसोलेशन वार्ड में भेजे गए:- दक्षिण अफ्रीका से सिंगापुर लौटे 2 यात्री ओमिक्रॉन पॉजिटिव पाए गए हैं। सिंगापुर के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि सिंगापुर आने के बाद दोनों यात्रियों का प्रारंभिक टेस्ट किया गया, जिसमें वो ओमिक्रॉन पॉजिटिव मिले। जोहान्सबर्ग से यहां आए दोनों यात्रियों को आइसोलेशन वार्ड में रखा गया हैं। उन्हें खांसी और गले में खराश जैसे हल्के लक्षण हैं। संक्रमित पाया गया पहला व्यक्ति 44 साल का सिंगापुर का नागरिक है, जो मोजाम्बिक सेजोहान्सबर्ग होते हुए यहां आया। मोजाम्बिक में 29 नवंबर को उड़ान भरने से पहले हुए कोविड टेस्ट में वह निगेटिव था। दूसरी संक्रमित 41 वर्षीय महिला भी सिंगापुर की नागरिक है। जोहान्सबर्ग में 29 नवंबर को हुए उड़ान भरने से पहले हुए टेस्ट में महिला निगेटिव पाई गई थी। दोनों फुली वैक्सीनेटेड हैं।

जर्मनी में वैक्सीन नहीं लगवाने वाले लोगों के लिए लॉकडाउन का ऐलान

जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल ने टीका नहीं लगवाने लोगों के लॉकडाउन का ऐलान किया है। बिना टीके वाले लोग अब सार्वजनिक स्थानों पर नहीं जा सकेंगे। यहां तक कि जरूरी सामान की खरीद भी नहीं कर पाएंगे। जर्मनी में अगले साल फरवरी से सभी लोगों के लिए वैक्सीन अनिवार्य कर दिया जाएगा।

ब्रिटेन ने खरीदी 1.14 करोड़ अतिरिक्त डोज:- ब्रिटेन में कोरोना के रिकॉर्ड नए मामले सामने आए, यहां पिछले 24 घंटों के दौरान 53945 केस दर्ज किए गए। ये संख्या 17 जुलाई के बाद सबसे अधिक है। ब्रिटेन में 141 लोगों की मौत भी दर्ज हुई।

आईटीडीसी
Classifieds
वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

नए भोपाल में स्थित सभी प्रकार की रेसीडेंशियल/कमर्शियल/इंडस्ट्रियल प्रोपटी/ वेयर हॉउस खरीदने-बेचने व रेंटल सर्विस हेतु संपर्क करे:- अनिल प्रोपटीज अरेरा कॉलोनी मो. 9893164317

2 BHK Flat For Sale 800 sqft 1st Floor 24 hrs Water electricity Parking prime location of saket nagar 9A near AIIMS hospital price 25 lakh – 70007509

For sale 968/1452/4305 Sqft Plots at Misrod Phase 1-2 3 BHK Flat 1417 Sqft For Sale at Coral Woods Hoshangabad road. Chugh Syndicate Property Pvt. Ltd. – 7000122016, 9425666664

शीघ्र बेचना है 2बीएचके पेंटहाउस 110sqft बिल्डअप,1000sqft ओपन टेरेस के साथ कवर्ड केम्पस बावडिया कला के पास, दानिश चोराहा, कीमत 34.96 लाख. संपर्क 9039059071, 9285559071

बंगला बेचना है E-8 बावडियाकला प्राइम लोकेशन नियम महेन्द्रा पेट्रोलपम्प, 1 होल 5 बेडरूम 5 बाथरूम 1000 प्लाट पर, कार्नर, एमपल हाइट्स लगा, 9893128244, 9893847026

बेचना बिला 3BHK प्लाट साईंज 1500 वर्गफीट पर डेम एवं रिवर व्युके साथ कवर्ड केम्पस में कोलार रोड़ बीमाकुंज के पास संपर्क 9754330676, 9111013116

चाहिए 1200 से 1500 स्वायर फीट ग्राउंड फ्लोर शाहपुरा, न्यूमार्केट, अरेरा कोलनी, में हार्टथेरोपी सेण्टर हेतु सेव्यं ट्रीटमेंट – 7723911555, 9977310314

For sale 1200/2100/ 2500 Sqft Commerical Plots on 200ft Rode $ 80ft @ BagmugaliNear Aashima mall Hosangabad Rode.Chugh Syndicate Property Pvt.Ltd, 32 Zone-1, MP Nagar – 700012201, 9425666664.

मिनाल रेसीडेंसी (अयोध्या वायपास रोड़/जेकेरोड़े के आस पास की कोलोनी/केम्पस) एबम साकेत/ शक्ति /विद्या नगर में प्लाट/मकान खरीदने –बेचना/ रेंटल सेवाए हेतु – प्रार्पटीएको 9826098008

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

For Rent 2bhk fully furnished in Gulmohar Colony Rent 15000/- Contact @ 8962643902

E-3/258 अरेरा कोलोनी में ग्राउंड फ्लोर पर 2BHK, 1BHK अलग–अलग फेमिली हेतु किराये से देना है संपर्क:- 7000735468, 9425601374(कावलकर)

किराये से -3 B H K फ्लेट Lakeview प्राइम लोकेशन Kohefiza में लिफ्ट, पानी, पार्किंग, किचिन, सर्व सुविधालयुक्त, 8817437959

४BHK platinum Plaza माता मंदिर, Orange 64, 5th फ्लोट, लिफ्ट सुविधा बैंक या शासकीय कर्मचारी की प्राथमिक, संपर्क करे 9893303141

कि◌राये से देना है प्रथम मंजिल पर होल करीब 2500 वर्गफीट सराफा बाजार बेरागढ़ में जिम, कोचिंग हेतु उपुक्त 9303132326, 7374498931

MAHADEV PROPERTY CONSULTANT:WE Require 1200/2100 sqft Commerical and 1000/1200/1500/2100sqft Residential Plot in Danishkunj and 1000/1500/2100sqft Residential Plot in danishhills, 9425008779

१st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

For Rent Available 10no. main market, Arera colony, near SBL Main Road Front Ground Floor Showroom 756sqft Contact – 9893022224

३BHK Semi furnished Corner flat for rent in E-8 Ext. Bawadia kalan Near aura mall secured campus with all morden amenities 9826974630

To-Let 2 BHK semi furnished flat at 5th floor 24 hrs security at mahadev Apparthment opp board office MP nagar 8889996171

ITDC JOB आवश्यकता

Required School Development Manager (Sales) on Fixed & Incentive basis. Location– Guna, Rajgharh, Sehore, Vidisha & Bhopal. Send your Resume @ hr@schoolnovate.com, call or what's app at 8850388123

आवश्यकता 12वी/ ग्रेजुएट लड़के लडकियों भोपाल इंदौर जबलपुर कंप्यूटर ऑपरेटर हिंदी इंग्लिश टाइपिंग, एडमिन पियून, ड्राइवर, गार्ड, गार्डनर टेली कॉलिंग, बैक ऑफिस मार्केटिंग 9171334247 , 9425439035

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds

98 26 22 00 22

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x **10**cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLENCE
8cms(W) x **10**cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x **10**cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC JOB आवश्यकता

आवश्यकता है छोटे परिवार के लिए भोजन बनाने हेतु अनुभवी महिला कुक की. जो घर के सभी कार्य करने में दक्ष हो. वेतन योग्यतानुसार. संपर्क चूना भट्टी, वलमी रोड, भोपाल 9302447796

ऑफिस कार्य हेतु एजुकेटेड युवती की आवश्यकता है , वेतन 10 से 15000/- संपर्क समय दोपहर 1 से 5 तक, ऑफिस- एम.पी. नगर जोन-1 भोपाल, मो. 9109528142

Required ACCOUNTS ASSISTANT M/F (min exp 2 yrs in Tally) & SITE SUPERVISOR (ITI/diploma in Civil). Send Resume to head.sales@bdspl.com MOB- 9516248569

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क DK3/ 1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale:
Inside Complex,
10x11 fts,
ground floor,
DIG Bungalow,
Berasia Road,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

To let Shop:
Inside Complex,
10x14 fts,
ground floor,
Arera Colony,
10 No Market,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

BOOK YOUR TICKET IN
60
SECONDS
AIR
TRAIN
BUS

JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

ITDC
VACANCIES

खबर की खबर

रतलाम शहर को रविवार तक शत-प्रतिशत वैक्सीनेटेड करने की तैयारी

कोविड-19 वैक्सीनेशन अभियान के तहत रतलाम शहर आगामी रविवार तक शत-प्रतिशत वैक्सीनेटेड होने जा रहा है, इसके लिए पूरी तैयारी की गई है। वर्तमान मे शहर में 90 प्रतिशत वैक्सीनेशन हो चुका है।

शत-प्रतिशत लक्ष्य अर्जित करने के लिए शुक्रवार, शनिवार, रविवार को घर-घर टीमें जाएंगी। दुकानें चेक की जाएगी, दुकानदार बगैर दोनों डोज वैक्सीनेशन के पाए गए तो कार्रवाई की जाएगी। दुकान बंद की जाएगी, जुर्माना वसूल किया जाएगा।

कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम द्वारा गुरुवार शाम को वैक्सीनेशन अभियान की समीक्षा की गई। जिला पंचायत सीईओ जमुना भिड़े, एसडीएम अभिषेक गहलोत, महिला बाल विकास विभाग के रजनीश सिन्हा आदि उपस्थित थे।

कलेक्टर ने बैठक में निगमायुक्त सोमनाथ झारिया तथा सिटी एसडीएम को निर्देशित किया कि शहर के सभी वार्डों में पूरी ताकत के साथ वैक्सीनेशन टीमें काम में जुट जाएं।

मोबाइल टीमें संचालित की जाए। रविवार तक शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करना है। जिले के अन्य स्थानों में वैक्सीनेशन की भी समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि शुक्रवार को मात्र रतलाम शहर एवं पिपलोदा तथा रतलाम ग्रामीण जनपद पंचायत क्षेत्रों में ही वैक्सीनेशन किया जाएगा। उक्त क्षेत्रों में अधिकाधिक टीमें भेजकर ज्यादा से ज्यादा वैक्सीनेशन किया जा सकेगा। पिपलोदा में 6 हजार 500 तथा रतलाम ग्रामीण में 20 हजार एवं रतलाम शहर में 2 हज़ार वैक्सीनेशन किया जाएगा।

इसके बाद 4 दिसंबर को जावरा में 20 हजार, आलोट में 15 हजार तथा बाजना जनपद पंचायत क्षेत्र में 15 हजार वैक्सीनेशन किया जाएगा। 5 दिसंबर को सैलाना में 8 हजार वैक्सीनेशन किया जाएगा।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि वैक्सीनेशन अभियान में प्रत्येक सेंटर पर प्रातः 9:00 बजे तक टीमें पहुंच जाएं। नोडल अधिकारी सतत भ्रमण करते रहे। कम वैक्सीनेशन होने पर नोडल अधिकारी भी पूर्णतः जिम्मेदार होंगे।

BREAKING NEWS

खबर, केवल खबर होती है
आपका अखबार है
सटीक, सच्ची, सारगर्भित,
खबर की तह तक,
ख़बरें वही,
जो आपकी जरुरत

PRESS
ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

IT 04 DEC 2021:IT 04 DEC 2021.qxd 12/3/2021 5:30 PM Page 3

न्यूज ब्रीफ

बंगाल से बिना सुई वाले टीके की शुरुआत

मुंबई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि जायडस कैडिला का कोविड टीका जायकोव-डी पहले सात राज्यों- बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र, पंजाब, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में पहली बार मिलना शुरू होगा। सभी सात राज्यों से उन जिलों की पहचान करने को कहा गया है जहां टीका न लगाने वाले पात्र लोगों की अधिक आबादी है और जिन्हें अब तक टीके की एक भी खुराक नहीं मिली है। इन जगहों पर नए टीके की शुरुआत हो सकती हैं। कैडिला हेल्थकेयर (जायडस कैडिला) ने नवंबर के पहले हफ्ते में कहा था कि उसे केंद्र को दुनिया का पहला प्लाज्मिड डीएनए टीका जायकोव-डी की 1 करोड़ खुराक की आपूर्ति करने का ऑर्डर मिला था। इस टीके की कीमत 265 रुपये प्रति खुराक तय की गई और सुई-मुक्त ऐप्लिकेटर की पेशकश वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को छोड़कर 93 रुपये प्रति खुराक के हिसाब से की जा रही है। इस टीके ने तीसरे चरण के परीक्षणों के अंतरिम विश्लेषण में 66.6 प्रतिशत प्रभाव दिखाया है। यह तीन खुराक वाला टीका है और पहले दिन के बाद दूसरी खुराक 28 दिन पर और तीसरी खुराक 56 दिनों पर दी जाती है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह भी कहा कि जायकोव-डी देने के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण का कार्यक्रम पूरा हो गया है क्योंकि टीका इंजेक्शन के माध्यम से नहीं बल्कि सुई मुक्त फार्मजेट प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से दिया जाता है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, %राज्यों को फार्माजेट इंजेक्टर के आधार पर सत्रों की योजना बनानी चाहिए और टीकाकरण के लिए इसका इस्तेमाल करने के लिए प्रशिक्षण देने के लिए टीका देने वालों की पहचान करनी चाहिए। जायडस टीका, सुई मुक्त टीका प्रणाली (एनएफ आईएस) का इस्तेमाल कर दिया जाता है। अमेरिका के स्टार्टअप, फार्माजेट ने जायडस कैडिला के साथ करार किया है जो विशेष रूप से सुई मुक्त टीका प्रणाली फार्माजेट ट्रोपिस के माध्यम से जायकोव-डी टीका लगाएगा। इंसुलिन का शॉट लेने की तुलना में इसमें कम ही चुभन महसूस होगी। जायडस कैडिला के प्रबंध निदेशक (एमडी) शर्विल पटेल कहते हैं, %ऐप्लिकेटर त्वचा में टीका लगाते हैं न कि मांसपेशियों में। इसकी वजह से यह कम ही दर्द देता है।% इस तंत्र के दो प्रमुख भाग हैं जिनमें से एक इंजेक्टर है जिसका इस्तेमाल कई बार किया जा सकता है और इसमें एक बार इस्तेमाल वाली सिरिंज या ऐप्लिकेटर आदि है। सुई मुक्त इंजेक्टर संकीर्ण तरीके से टीके के माध्यम से दवा त्वचा में पहुंचाता है।

11 देश एट रिस्क कैटेगरी में:सिंधिया ने कहा- यहां से आने वाले सभी यात्रियों का आरटी-पीसीआर टेस्ट, वैक्सीन की दोनों डोज वालों को भी छूट नहीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

ग्लोबल लेवल पर कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के बढ़ते खतरे के बीच भारत ने 11 दशों को एट रिस्क यानी जोखिम वाले देशों की कैटेगरी में रखा है। इन देशों से भारत पहुंचने वाले सभी यात्रियो का आरटी-पीसीआर टेस्ट होगा। यूनियन सिविल एविएशन मिनिस्टर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को संसद में ये जानकारी दी। जिन 11 देशों को एट रिस्क कैटेगरी में रखा गया है उनमें यूनाइटेड किंगडम, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, बोत्सवाना, चीन, जिम्बाब्वे, मॉरीशस, न्यूजीलैंड, हांगकांग, सिंगापुर और इजराइल है। सिंधिया का ये बयान डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन के 15 दिसंबर से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें फिर से शुरू करने के फैसले को होल्ड करने के बाद आया है।

अंतर्राष्ट्रीय यात्रा को फिर से शुरू करने के लिए एक झटका

सिंधिया ने कहा, पिछले छह महीनों में हमारा प्रयास रहा है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी धीरे-धीरे उड़ानें बढ़ाई जाएं। ओमिक्रॉन निश्चित रूप से अंतर्राष्ट्रीय यात्रा को फिर से शुरू करने के लिए एक झटका है। हम सभी को इससे सुरक्षित रहने की जरूरत है। मुझे लगता है कि हमारी सरकार ने 11 देशों को %एट रिस्क कैटेगरी में रखने और टेस्टिंग का जो फैसला लिया है वो सही है।

वैक्सीन की दोनों डोज वाले लोगों को भी छूट नहीं

ओमिक्रॉन को डेल्टा वैरिएंट से भी अधिक तेजी से फैलने वाला वैरिएंट कहा जा रहा है। ऐसे में सिंधिया ने ये भी स्पष्ट किया कि कोविड टीकों की दोनों डोज वाला व्यक्ति भी ओमिक्रॉन से संक्रमित हो सकता है, इसलिए, वैक्सीन की दोनों डोज वाले व्यक्तियों को एयरपोर्ट पर आरटी-पीसीआर टेस्ट से छूट नहीं दी जा सकती है।

31 देशों के साथ बायो बबल

सिंधिया ने एयर बबल यात्रा की वर्तमान स्थिति के बारे में पूछ गए एक सवाल के जवाब में कहा, वर्तमान में हमारे पास 31 देशों के साथ एयर बबल एग्रीमेंट हैं और 10 अन्य देशों के साथ एयर बबल एग्रीमेंट शुरू करने का प्रस्ताव है।

नहीं चला झुनझुनवाला का जादू

केवल 79 फीसदी भर पाया स्टार हेल्थ का आईपीओ 2 साल में सबसे कम सब्सक्रिप्शन पाने वाला इश्यू

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पिछले दो सालों में सबसे कम रिस्पांस पाने का रिकॉर्ड स्टार अलाइड हेल्थ इंश्योरेंस के नाम रहा। इसका इश्यू आज बंद हुआ। अंतिम दिन तक इसे केवल 79 फीसदी ही सब्सक्रिप्शन मिल पाया। यानी यह पूरी तरह से नहीं भर पाया। इसमें राकेश झुनझुनवाला का निवेश था।

7,249 करोड़ रुपए के लिए उतरी थी बाजार में

स्टार अलाइड हेल्थ इंश्योरेंस बाजार से 7,249 करोड़ रुपए जुटाने के लिए उतरी थी। इसे पहले दिन केवल 24 फीसदी और दूसरे दिन तक 36 फीसदी ही सब्सक्रिप्शन मिल पाया था। इससे पहले 2019 अगस्त में साइरस मिस्त्री की कंपनी स्टर्लिंग एंड विल्सन को सबसे कम रिस्पांस मिला था। इसका इश्यू केवल 85 फीसदी ही भर पाया था।

पेटीएम को 1.89 गुना मिला था रिस्पांस

इस साल में पेटीएम को 1.89 गुना, एसजेएस को 1.59 गुना और फिनो पेमेंट के इश्यू को 2.03 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। जबकि केमप्लास्ट के आईपीओ को 2.17 गुना, नुवोको विस्टा को 1.71 गुना, मैक्रोटेक डेवलपर्स को 1.36 और सूर्योदय के इश्यू को 2.37 गुना का रिस्पांस मिला था। कल्याण ज्वेलर्स भी इसी साल आईपीओ लाई थी। यह 2.61 गुना भर पाया था। इससे पहले 2020 में ग्लैंड फार्मा का इश्यू 2.06 गुना, यूटीआई असेट मैनेजमेंट का 2.31 गुना और इक्विटास स्माल फाइनेंस का इश्यू 1.95 गुना भरा था। 2019 में विश्वराज चीनी के आईपीओ को 1.12 गुना और स्पंदना स्फूर्ति के इश्यू को केवल 1.05 गुना सब्सक्रिप्शन मिल पाया था।

झुनझुनवाला ने 155 रुपए के भाव पर खरीदा था शेयर

स्टार हेल्थ में राकेश झुनझुनवाला ने निवेश किया है। उन्होंने 155 रुपए के औसत से दो सालों से शेयर खरीदा था। उनका यह निवेश अब 5.7 गुना बढ़ गया है। क्योंकि कंपनी ने 870 से 900 रुपए के भाव पर इश्यू में शेयर बेचा है।

झुनझुनवाला के पास 8.23 करोड़ हैं शेयर

राकेश झुनझुनवाला के पास स्टार हेल्थ अलाइड इंश्योरेंस के 8.23 करोड़ या 14.98 फीसदी शेयर हैं। उन्होंने मार्च 2019 से नवंबर 2021 के बीच कुल 9 बार इस कंपनी में निवेश किया है। स्टार हेल्थ इंश्योरेंस का वैल्यूएशन 51 हजार करोड़ रुपए है। स्टार हेल्थ प्राइवेट सेक्टर की इंश्योरेंस कंपनी है। झुनझुनवाला ने इस कंपनी में 32 महीने पहले निवेश करना शुरू किया था। झुनझुनवाला ने पिछले एक साल में स्टार हेल्थ का 93.24 लाख शेयर्स खरीदा है। इसकी प्रति शेयर औसत कीमत 256.44 रुपए रही। यह शेयर उन्होंने कई बार में खरीदा है। उनकी पत्नी रेखा झुनझुनवाला के पास 1.78 करोड़ शेयर्स हैं। यानी इनकी होल्डिंग कंपनी में 3.23 फीसदी है। स्टार हेल्थ इस साल का तीसरा सबसे बड़ा इश्यू ला रही है। यह 7,249 करोड़ रुपए जुटाएगी। इससे पहले पेटीएम ने 18,300 और जोमैटो ने 9,350 करोड़ रुपए जुटाए थे।

एलआईसी के आईपीओ में लगाना चाहते हैं पैसा तो फटाफट अपडेट कर लें अपना पैन

जनवरी से मार्च के दौरान आ सकता है IPO

LIC इसके जरिए 1 लाख करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी में है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अगर आपने एलआईसी की पॉलिसी ले रखी है और आप इसके आईपीओ में हिस्सा लेना चाहते हैं तो आपको एलआईसी में अपना पैन अपडेट कराना जरूरी है। एलआईसी ने कहा है कि आईपीओ में हिस्सा लेने के लिए पॉलिसी धारक चेक कर लें कि रिकॉर्ड में दिए पैन की जानकारी सही है या नहीं। अगर सही नहीं है तो वह पैन की जानकारी को अपडेट कर लें।

डीमैट अकाउंट है जरूरी

अगर किसी पॉलिसी धारक के पास वर्तमान में डीमैट अकाउंट नहीं है, तो उसे अपने खर्च पर खोलने का प्लान कर लेना चाहिए। कॉरपोरेशन ने साफ कहा कि डीमैट अकाउंट खोलने और पैन अपडेट करने में जो भी खर्च आएगा वह पॉलिसी होल्डर उठाएगा। कॉरपोरेशन कोई भी खर्च नहीं उठाएगा।

ऐसे चेक करें पैन अपडेट है या नहीं

https://linkpan.licindia.in/UIDSeedingWebApp/getPolicyPANStatus पर जाएं। पॉलिसी नंबर, जन्म तिथि और पैन जानकारी, साथ ही कैप्चा दर्ज करें। फिर सबमिट बटन दबाएं।

ऐसे कर सकते हैं अपडेट

ऑनलाइन पैन रजिस्ट्रेशन के ऑप्शन को चुनें।
ऑनलाइन पैन रजिस्ट्रेशन पेज पर प्रोसीड बटन पर क्लिक करें।
अपना ईमेल पता, पैन, मोबाइल नंबर, डेट ऑफ बर्थ और एलआईसी पॉलिसी नंबर की जानकारी भरें।

फिक्स्ड डिपॉजिट करने का प्लान है तो थोड़ा इंतजार कीजिए, मिलेगा ज्यादा ब्याज

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अगर आप फिक्स्ड डिपॉजिट करने का प्लान बना रहे हैं तो थोड़ा इंतजार कर लीजिए। आपको ज्यादा ब्याज मिलेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि अब बैंक और अन्य लोन देने वाली कंपनियां स्त्रष्ठ पर ब्याज दरें बढ़ाने लगी हैं।

(सभी ब्याज दरें सालाना आधार पर)

SBI 2.9 से 5.4% दे रहा है इंटरेस्ट

ICICI की ब्याज दर 2.5% से 5.5%

HDFC बैंक का इंटरेस्ट रेट 2.5% से 5.5%

जनवरी से ब्याज बढ़ाने की रफ्तार तेजी होगी

ऐसी उम्मीद है कि जनवरी से ब्याज दरों को बढ़ाने की रफ्तार तेज हो सकती है। निजी सेक्टर के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक ने चुनिंदा समय वाली स्त्रष्ठ पर ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। यह नई दरें एक दिसंबर से लागू हो गई हैं। बैंक की वेबसाइट के मुताबिक, 7 से 29 दिन की स्त्रष्ठ पर 2.50फीसदी ब्याज मिलेगा। 30 से 90 दिन की अवधि वाली जमा पर 3फीसदी और 91 दिन से 6 महीने की अवधि वाली जमा पर 3.5फीसदी का ब्याज मिलेगा।

हर अवधि की जमा पर बढ़ी ब्याज दरें

इसी तरह 6 महीने से ज्यादा और एक साल से कम की स्त्रष्ठ पर 4.4फीसदी का ब्याज मिलेगा। एक साल से अधिक की जमा पर 4.9फीसदी का ब्याज बैंक देगा। 2 साल की अवधि वाली जमाओँ पर 5फीसदी का इंटरेस्ट मिलेगा। 3 साल की अवधि पर 5.35 और 5 साल से 10 साल की अवधि की जमा पर 5.50फीसदी का ब्याज मिलेगा। यह सभी ब्याज सालाना होगा। बैंक ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए आधा पर्सेंट ज्यादा का इंटरेस्ट मिलेगा। यदि आम लोगों को 3फीसदी इंटरेस्ट मिल रहा है तो सीनियर सिटिजन को 3.5फीसदी का ब्याज मिलेगा। अन्य बैंकों की बात करें तो देश का सबसे बड़ा बैंक भारतीय स्टेट बैंक 2.9 से 5.4फीसदी के बीच ब्याज दे रहा है।

हीरो मोटोकॉर्प ने अर्जेंटीना में कारोबार का विस्तार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

शीर्ष दोपहिया वाहन निर्माता हीरो मोटोकॉर्प ने शुक्रवार को अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में अपनी प्रमुख डीलरशिप खोलने के साथ देश में अपने कारोबार के विस्तार की घोषणा की। कंपनी गिलेरा मोटर्स अर्जेंटीना के साथ साझेदारी में प्रमुख डीलरशिप शुरू कर रही है। गिलेरा मोटर्स अर्जेंटीना (जीएमए) हीरो मोटोकॉर्प के उत्पादों के लिए सभी कारोबारी परिचालन का तेजी से विस्तार करने के लिए नए निवेश करेगी। कंपनी ने एक नियामकीय सूचना में कहा कि इससे क्षेत्र में लगभग 500 नये रोजगार अवसरों के सृजन की उम्मीद है। हीरो मोटोकॉर्प के प्रमुख (वैश्विक कारोबार) संजय भान ने कहा, हम अर्जेंटीना में अपने कारोबार का तेजी से विस्तार कर खुश हैं। अक्टूबर में गिलेरा मोटर्स अर्जेंटीना के साथ अपने नए जुड़ाव की घोषणा के बाद से हमने पहले ही महत्वपूर्ण प्रगति की है।

महामारी से पहले की तुलना में 0.3 फीसदी रही भारत की वृद्धि

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) कोविड-19 महामारी से पहले की तुलना में ऊपर चढ़ा है। सितंबर तिमाही के जीडीपी आंकड़ों से पता चलता है कि भारत की वास्तविक जीडीपी 35.73 लाख करोड़ रुपये की है। यह सितंबर 2020 की तुलना में 8.4 फीसदी अधिक है। पिछला वर्ष महामारी के कारण लगाए गए लॉकडाउन और उसके प्रभावों से ग्रस्त रहा था। महामारी से पूर्व के वर्ष 2019 से तुलना करने पर कोविड-19 के बाद की वृद्धि का कोई मतलब निकलता है। सितंबर 2019 की तुलना में जीडीपी में 0.3 फीसदी की वृद्धि नजर आती है। वहीं, अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं ने भिन्न भिन्न रुझानों का प्रदर्शन किया है। यहां पर विश्लेषण के लिए इनमें से अमेरिका और फ्रांस को शामिल किया गया है। फ्रांस अब भी 2019 की तुलना में 0.4 फीसदी नीचे है जबकि अमेरिका ने 1.9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। हरेक देश की जीडीपी का ढांचा अलग अलग था। महामारी से पूर्व भी विभिन्न घटक वृद्धि के लिए जिम्मेदार थे। फ्रांस की जीडीपी में कृषि का योगदान जहां 2 फीसदी है वहीं अमेरिका में यह 1 फीसदी है। वहीं, भारत की जीडीपी में कृषि का योगदान 16 फीसदी है। सितंबर के ताजा आंकड़ों पर रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने अपने एक नोट में कहा कि कृषि, वानिकी और मत्स्यपालन में सकल मूल्य वर्धन की रफ्तार उम्मीद से अधिक रही है। नायर ने कहा कि लोक प्रशासन, रक्षा और अन्य सेवाओं ने भी आश्चर्यजनक प्रदर्शन किए। उन्होंने कहा कि चूंकि निजी अंतिम उपभोग खर्च अभी भी कोविड से पूर्व के स्तरों से पीछे है लिहाजा सुधार पर संदेह गहरा सकता है। अमेरिका में यह स्थिति भारत के उलट है। 14 नवंबर को जारी की गई 2022 यूएस इकोनॉमिक आउटलुक में कहा गया है कि सेवाओं की मांग और श्रम वृद्धि से उपभोक्ता खर्च में तेजी से उछाल आ रहा है। यह रिपोर्ट वित्त सेवाओं की दिग्गज मॉर्गन स्टैनली ने जारी किया है। मुख्य अमेरिकी अर्थशास्त्री एलन जेंटनर और अर्थशास्त्री रॉबर्ट रोजनर, जुलियन एम रिचर्स, क्रिस्टोफर जी कोलिंस और सारा ए वोल्फ की ओर से लिखे एक नोट में कहा गया है, परिवारों के पास एक स्थिर श्रम आय वृद्धि है।

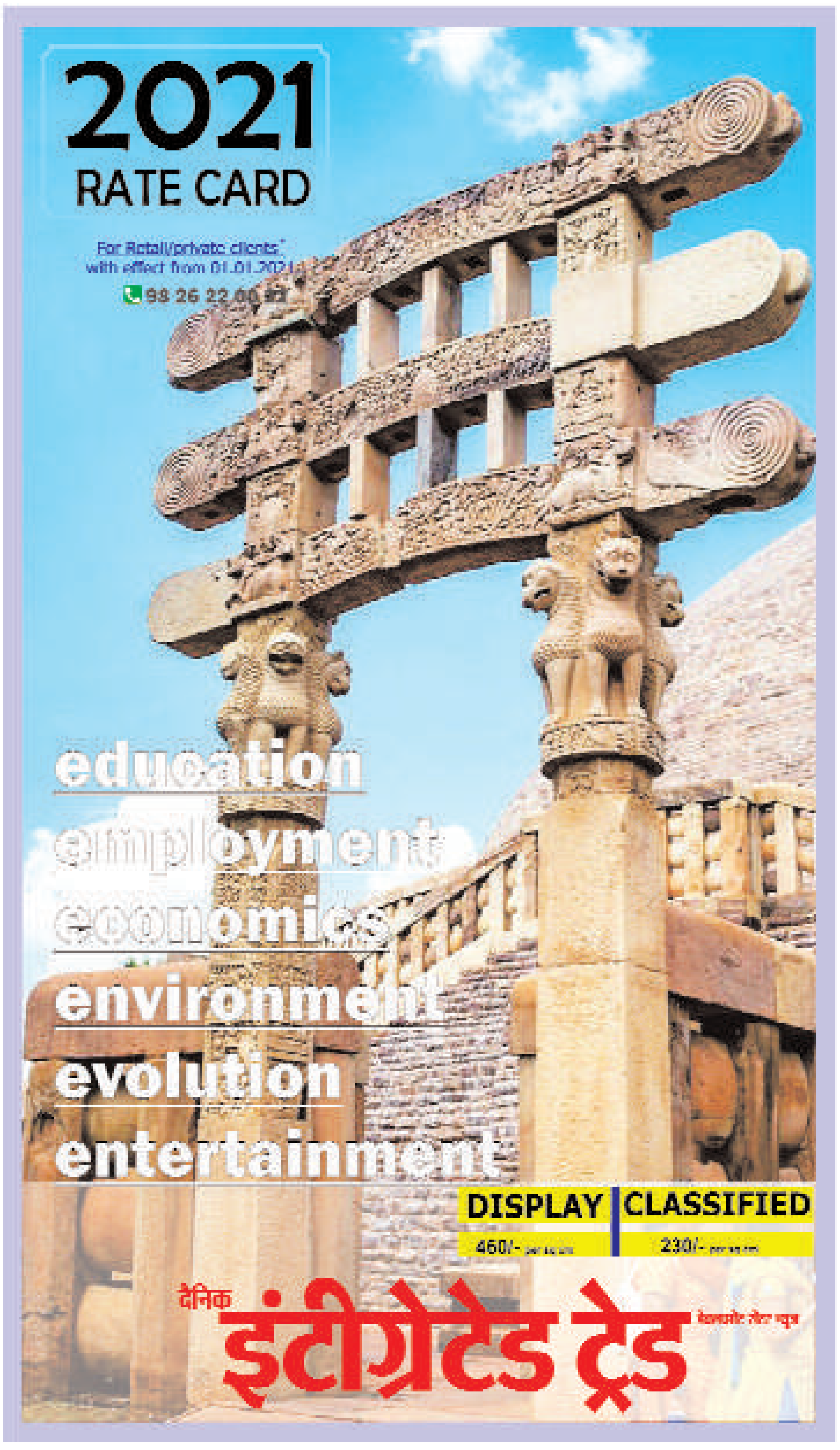

IT 04 DEC 2021:IT 04 DEC 2021.qxd 12/3/2021 5:30 PM Page 4

कृषि कानून विरोधी आंदोलन में दिखी अराजकता स्वीकार्य नहीं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने की अप्रत्याशित घोषणा के बाद संसद से भी ये कानून निरस्त हो गए। अब ऐसे में सबसे अधिक उत्सुकता इसी बिंदु पर केंद्रित है कि कानूनों के विरोध में जारी धरना-प्रदर्शन कब समाप्त होगा? दुखद है कि इस प्रश्न का उत्तर अस्पष्ट है। जहां सरकार ने साल भर के बाद अपने कदम पीछे खींचकर हमें हतप्रभ किया, वहीं अराजकता से भरा धरना-प्रदर्शन निरंतर व्यथित कर रहा है। स्तब्धता और अड़ियल रवैया संभवत- हमारे सार्वजनिक जीवन में आम हो गए हैं। सभी संबंधित पक्षों को अपनी बात समझाने में अक्षमता को लेकर प्रधानमंत्री क्षमा मांग चुके हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि लोकतंत्र मे फैसलों का सही होना ही पर्याप्त नहीं, वरन उनकी स्वीकार्यता भी आवश्यक होती है। रद हुए तीनों कृषि कानूनों की विशेषताओं और लोकतांत्रिक ढांचे में निर्णय प्रक्रिया से जुड़े जटिल विमर्श के बीच ऐसा प्रतीत होता है कि हम वस्तुस्थिति पर व्यापक दृष्टि नहीं डाल पा रहे। ऐसे में कुछ आधारभूत प्रश्न विचारणीय हैं। भारत जैसे प्रतिनिधिमूलक लोकतंत्र में जनता प्रत्यक्ष रूप से नीति-निर्धारण नहीं करती, अपितु अपने प्रतिनिधि चुनती है, जो वांछित नीतियों को आकार देते हैं। इस पूरे प्रकरण में यह भावना क्षीण होती नजर आई। निस्संदेह नागरिकों की सहभागिता मात्र मतदान तक ही सीमित नहीं होनी चाहिए। गतिशील एवं सक्रिय समुदाय चुनावों की अवधि के बीच निष्क्रिय नहीं रह सकते। यूं तो असहमति का अधिकार किसी भी लोकतंत्र में एक अभिन्न एवं अंतर्निहित पहलू है, परंतु विरोध-प्रदर्शन के रूप-स्वरूप और प्रकृति पर भी विचार किया जाना चाहिए? हम सभी साक्षी हैं कि कृषि कानून विरोधी धरना-प्रदर्शनों में किस प्रकार सार्वजनिक संपत्ति को क्षति पहुंचाई गई।

गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर कितना अनियंत्रित, उपद्रवी और अराजक व्यवहार किया गया। सड़कें घेरकर मार्ग बाधित करने से जनता को असुविधा एवं देश को भारी आर्थिक हानि हुई। अतिवादी दृष्टिकोण और आक्रामक रवैये ने छिटपुट हिंसा भड़काने और लोगों की जिंदगियां लीलने में अपनी भूमिका निभाई। यह मुहिम इतनी अतिरेकपूर्ण हो गई कि उसने न केवल संसद को विधिसम्मत पारित कानून वापस लेने के लिए बाध्य किया, अपितु संविधान में वर्णित विधि निर्माण की प्रक्रिया को ही चुनौती देने का दुस्साहस किया। आश्चर्यजनक रूप से कुछ किसान नेताओं, कतिपय विद्वान बुद्धिजीवियों और हमारे विपक्षी नेताओं ने यह दावा किया कि इसमें सभ्य-शालीन विरोध-प्रदर्शन की मर्यादा भंग नहीं हुई। वे कृषि कानूनों की वापसी को लोकतंत्र की जीत के रूप में प्रचारित कर रहे हैं। यह तो तय है कि लोकतंत्र को लेकर उनकी और हमारी परिभाषा भिन्न है। हमारे शब्दकोश में ऐसे विरोध-प्रदर्शन अराजकता की श्रेणी में आते हैं। इससे आर्थिक-सामाजिक सुधारों के भविष्य और आक्रामक दबाव समूहों की प्रतिक्रिया जैसे दो बिंदुओं को लेकर आने वाले समय में भारत के रवैये पर नागरिकों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में अनिश्चितता का भाव बढ़ेगा। हम भलीभांति अवगत हैं कि हमारे देश को कृषि के अतिरिक्त भूमि, श्रम, पूंजी, कराधान और न्यायिक क्षेत्र में ढांचागत सुधारों की आवश्यकता है। वर्ष 2015 में भूमि अधिग्रहण विधेयक को वापस लेने के बाद यह दूसरा अवसर है, जहां लोकप्रिय जनादेश के साथ चुनकर आई सरकार को दबाव में पीछे हटना पड़ा। निष्क्रियता या जड़ता अमूमन प्रगति की राह में सबसे बड़ी बाधा होती है। क्या हमें ऐसी स्थिति स्वीकार्य हो सकती है जहां कार्यपालिका आमूलचूल परिवर्तनकारी पहल करने से हिचकने लगे? क्या लोकलुभावनवाद की वेदी पर आवश्यक विधायी और कार्यकारी निर्णयों की बलि दी जानी चाहिए? क्रांतिकारी सुधार कई बार यथास्थितिवादी वर्ग को ही परेशान करते हैं। ऐसे में उनका विरोध करना स्वाभाविक है। भले विरोध-प्रदर्शन का अधिकार अपरिहार्य है, परंतु इस मामले में क्या अवरोध पहुंचाने और तोड़फोड़ करने को सामान्य चलन के रूप में स्वीकार किया जाएगा?

संपादकीय

फिर मंदिर की राजनीति पर उतरी भाजपा

उत्तरप्रदेश में अपनी हालत डांवाडोल होती देख भाजपा फिर से पुराने दांव-पेंचों पर उतर आई है। राम मंदिर के मुद्दे को अपनी राजनीति का आधार बनाकर भाजपा ने 2 सीटों से शुरु किए गए सफर को संसद में बहुमत के साथ खत्म किया। एक पारी के बाद दूसरी पारी भी भाजपा के ही हाथ लगी, क्योंकि 2014 से 2019 के बीच देश में सांप्रदायिकता, उग्रराष्ट्रवाद और नफरत की विषबेल पूरी तरह बढ़ चुकी थी। इस विषबेल के सहारे केंद्र के साथ-साथ कई राज्यों की सत्ता हासिल करने में भाजपा को कठिनाई नहीं हुई। 2017 में उत्तरप्रदेश की सत्ता भी भाजपा को मिल ही गई। इसमें राम मंदिर निर्माण का मुद्दा अहम तो था ही, इसके साथ ही श्मशान-कब्रिस्तान जैसे विभाजनकारी बयानों से भी भाजपा को मदद मिली। अब राम मंदिर का निर्माण शुरु हो चुका है, अयोध्या में साल दर साल दीए जलाने के रिकार्ड भी बना लिए गए और अब शायद भाजपा को यह नजर आ रहा है कि अयोध्या के दीए में अब उतना तेल नहीं रह गया, जिससे फिर से सत्ता की जोत जलाई जा सके। इसलिए अब नए सिरे से, नए मंदिरों का मुद्दा खड़ा किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तो उत्तराखंड से काशी-मथुरा का जिक्र कर ही दिया था। अब उत्तरप्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक ट्वीट में कहा, %अयोध्या, काशी भव्य मंदिर निर्माण जारी है, मथुरा की तैयारी है। जय श्रीराम, जय शिवशम्भू, जय श्री राधेकृष्ण।% गौरतलब है कि कुछ दिनों पहले ही हिंदू महासभा समेत कुछ हिंदुवादी संगठनों ने ऐलान किया था कि छह दिसंबर को शाही मस्जिद में जलाभिषेक किया जाएगा। इसके बाद जिले में धार्मिक माहौल गरमाने लगा था, तो प्रशासन अलर्ट हो गया था। डीएम नवनीत चहल ने तत्काल जिले में धारा 144 लागू कर दी, जिससे कि माहौल न बिगड़े और उपद्रवियों पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। लेकिन, अखिल भारत हिंदू महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष राजश्री ने इस कार्यक्रम को स्थगित कर दिया है। उन्होंने बताया कि प्रशासन की ओर से उन्हें अनुमति न मिलने के कारण ऐसा किया गया है। हालांकि पुलिस प्रशासन अब भी चौकन्ना है और बुधवार को खुद एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर ने पैरामिलिट्री के जवानों के साथ फ्लैग मार्च करके लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। अगले दो-तीन दिनों तक करीब 2100 पुलिस और पैरा मिलिट्री फोर्स के जवानों के हाथ में शहर की सुरक्षा की कमान होगी। इन तैयारियों को देखकर यह आश्वस्ति तो मिल रही है कि माहौल किसी तरह खराब न हो, ऐसी कोशिश पुलिस-प्रशासन की है। लेकिन सत्ता में बैठे लोगों का रवैया यह संकेत दे रहा है कि समाज को भी अपनी ओर से सतर्कता बरतनी चाहिए। एक बार छह दिसंबर का हश्र देश अब तक भुगत रहा है। बाबरी मस्जिद को तोड़ने से केवल अयोध्या की नहीं पूरे देश की पहचान दांव पर लग गई थी।

भाजपा को भले रथयात्रा का लाभ मिल गया, लेकिन देश को मंदिर-मस्जिद की राजनीति से नुकसान ही पहुंचा है, यह महंगाई, बेरोजगारी और खाली राजकोष को देखकर समझ जाना चाहिए। राम मंदिर चाहे दुनिया का सबसे खूबसूरत मंदिर बने या ब्रह्मांड की सबसे आकर्षक रचना हो, उससे आम जनता की बुनियादी समस्याएं नहीं सुलझेंगी। आम आदमी का जीवन बेहतर हो, इसके लिए तो सरकार को ही काम करना होगा। यह समझना कठिन नहीं है कि उप्र की भाजपा सरकार ने अपनी जिम्मेदारियों को पांच साल तक पूरा नहीं किया। बेरोजगारी, शिक्षा, विकास के जिन मुद्दों को लेकर भाजपा सत्ता में आई, उनका अब दूर-दूर तक जिक्र नहीं है। पिछली सरकारों के कामों का फीता भाजपा नेता काट रहे हैं या दूसरे राज्यों और देशों की सुहानी तस्वीरों को अपनी बताकर प्रचार कर रहे हैं। चुनाव की दस्तक पड़ते ही करोड़ों की परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास हो रहा है, लेकिन इस सवाल का जवाब भाजपा के पास नहीं है, कि पिछले पांच सालों में इन कामों की शुरुआत क्यों नहीं की, ताकि अब तक जनता को उनका लाभ मिलना शुरु हो जाता। विकास के सवाल पर चारों खाने चित्त भाजपा अब घूम फिर कर सांप्रदायिक एजेंडे पर उतर आई है। केशव प्रसाद मौर्य के ट्वीट को इसी संदर्भ में समझने की जरूरत है। हालांकि श्री मौर्य का कहना है कि भाजपा के लिए चुनाव के एजेंडे में कोई मंदिर का विषय मुद्दा नहीं रहा है, मंदिर आस्था का मुद्दा है चुनाव का नहीं। जो लोग राम मंदिर बनने का विरोध करते थे अब वही लोग राम मंदिर में माथा टेक रहे हैं। आगामी दिनों में यही दृश्य काशी और मथुरा में दिखेगा। मान लिया कि मंदिर भाजपा के लिए आस्था का ही मुद्दा है, चुनाव का नहीं, तो फिर चुनाव के वक्तक ही केशव प्रसाद मौर्य ने मथुरा का जिक्र क्यों किया। अगर मंदिर केवल आस्था का मुद्दा है, तो फिर अब तक भाजपा के घोषणापत्र में राम मंदिर निर्माण का मुद्दा क्यों जगह पाता था। अब भी अपनी चुनावी सभाओं में भाजपा नेता इस बात का श्रेय क्यों लेते हैं कि मोदीजी के राज में मंदिर निर्माण शुरु हुआ। आस्था तो कभी भी प्रदर्शन का विषय नहीं रही, फिर सरकारी खर्च पर राष्ट्रपति से लेकर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री सभी अपनी आस्था को जनता के बीच क्यों प्रदर्शित करते रहे। मंदिर जाकर चुपचाप पूजा कर लेते, दीए जला लेते और चुनावी सभाओं में केवल जनता के विकास से जुड़े मुद्दों पर बात करते।

साहित्य का एक जमाना था और कवि उसी में जीता था

प्रमोद अश्क अंदर बाहर एक समान थे। भोले कह सकते हैं। दुनिया के छल छंदों से कोई मतलब नहीं। अच्छी कविता कहते थे। उन दिनों तो कवि गोष्ठियों की भरमार हुआ करती थी। खूब सुनाने का मौका मिला करता था। और स्थानीय अखबारों में छपने का भी। सभी अखबार रविवार को साहित्य, कविता छापते थे। वैसे भी छप जाती थी। लेकिन हमें याद नहीं कि उसके लिए उन्होंने कभी सिफारिश करवाई हो। कहा हो। यह खास बात थी। उनकी अपनी एक अना (आत्मसम्मान) थी। प्रमोद अश्क की चाल, चाय के होटलों पर बैठना, अंदाज सब याद आ रहा है। अब तो शायद वैसे कवि, शायर होते नहीं हैं जो पूरी जिन्दगी सि।।कवि ही बने रहे। अपने नाम से ज्यादा तखल्लुस से जाने जाएं। अश्क वैसे ही शायर थे। प्रमोद अश्क। हमारे शहर दतिया के। अभी नहीं रहे। अचानक पता चला। बहुत सालों से मुलाकात नहीं थी। मगर हमें अक्सर याद आ जाते थे। हमारे मोहल्ले के सामने ही रहते थे। जब से जाना कवि के रूप में ही जाना। उम्र में हमसे छोटे ही होंगे। मगर एक कवि की गरिमा लिए हुए उन्होंने कभी किसी को यह रियायत नहीं दी कि वह उनसे छोटे की तरह व्यवहार कर ले। मोहल्ले और बहुत सारे नातों से हमें यह अधिकार मिलना था कि हम उनके साथ थोड़ा छोटे भाई वाला व्यवहार कर लें। मगर कवि प्रमोद अश्क पूरे तन मन से कवि थे। केवल कवि। इसलिए उन्होंने शायद हमें ही नहीं किसी को भी जरा भी लिबर्टी की इजाजत नहीं दी। हिन्दी गजलें कहते थे। इसलिए खुद को शायर कहलाना ही पसंद करते थे। दुष्यंत कुमार की पीक का जमाना था। हिन्दी गजलों का स्वर्णिम काल। और वैसे मध्य प्रदेश में साहित्य की वापसी का। जिसे कविता की वापसी कहा जा रहा था उस दौर में। अर्जुन सिंह नए-नए मुख्यमंत्री बने थे। 1980 में। साहित्य और कला की गतिविधियां अचानक बहुत बढ़ गईं थीं। पहली बार कोई सरकार साहित्य, कलाओं, संवेदनशीलता की बातें कर रही थी। प्रगतिशील लेखक संघ का विस्तार हो रहा था। मध्य प्रदेश प्रगतिशील लेखक संघ की धूम थी। प्रदेश में कमला प्रसाद जी, हरिशंकर परसाई, मायाराम जी सुरजन ग्वालियर में प्रकाश दीक्षित, महेश कटारे, अपूर्व शिन्दे, दतिया में डॉ. केबीएल पाण्डेय प्रलेस के बैनर तले खूब कार्यक्रम करवा रहे थे। हमें भी ड्यूटियां दी जातीं थीं। जो हम अपनी राजनीति, पत्रकारिता, दोस्ती यारी के साथ पूरी करने की कोशिश करते थे। बहुत ही गजब जमाना था। उसी समय नए लोग हर फील्ड में आ रहे थे। साहित्य में लेखक सम्मेलन, नव लेखक सम्मेलन, वर्कशाप का दौर था। परसाई जैसी बड़ी हस्ती नए लेखकों को प्रोत्साहन दे रही थी। वे पोस्टकार्ड पर संदेश, निर्देश, आदेश भेजते थे। हमेशा पूर्ण बेइज्जती का खतरा बना रहता था।

हमारे शहर में उस समय एक कहावत चल गई थी कि अगर आप कंकर फैंकों तो या तो मास्टर को लगेगा या कवि को। नौकरी केवल टीचर की थी। और काम केवल कविता का। कवि तो कवि थे ही। टीचरों का भी बड़ा हिस्सा कवि था। और कवि कैसे! पूर्णकालिक कवि। होलटाइमर। मैं जिसे ओढ़ता बिछाता हूं, वह गजल आपको सुनाता हूं। तो प्रमोद अश्क के देहांत के बाद यह सारी बातें याद आ गईं। बहुत स्वाभिमानी थे, समय के पाबंद। समय के पाबंद काहे के लिए! सुबह ठीक समय पर निर्मल के चाय के होटल पर पहुंचना। हम लोग उन दिनों सुन्दर के होटल पर बैठते थे। बदनाम थे। लोगों ने अलग-अलग नाम रख रखे थे। कोई बुद्धिजीवी कंपनी कहता था, कोई नए लड़कों को बिगाड़ने का ठिया और जब किसी एसपी या टीआई से ज्यादा संघर्ष हो जाए तो वह असामाजिक तत्वों का अड्डा कहता था। एक टीआई हमसे बहुत चिढ़ता था। कोतवाली के सामने ही सुन्दर का होटल था। वहीं रात को महफिल जमती थी। एक बार रात को आकर वह उन बैंचों को उठवा कर ले गए जिस पर हम लोग बैठते थे। सुबह वापस भी करना पड़ी। खैर वह कहानियां तो बहुत हैं। कभी अलग लिखेंगे। तो प्रमोद अश्क के शायद दो होटल थे। जहां वे टाइम बदल-बदल कर बैठते थे। उनके पिताजी दोनों जगह उनकी चाय के पैसे देते थे। महीने पर। खेती थी। शायद कोई नौकरी भी करते थे। तो खैर अश्क जी वहां सारे अख़बार देखते थे। दतिया, ग्वालियर से निकलने वाले। किस में उनकी गजल छपी है। और किस में कवि गोष्ठी की खबर। चाय एक की दो का जमाना था। सुबह जहां निर्मल के होटल पर बैठते थे वहां उनकी सुबह की तीन या चार चाय का कोटा था। जिसे वे छह या आठ लोगों में बांटकर पीते थे। ऐसे ही किले के सामने के एक दूसरे होटल पर दो या तीन चाय का। वहां भी कवि और उनके श्रोता जुटते थे। बाकी कोई और उन्हें शौक नहीं था। शुद्ध कविता का। टची बहुत थे। अगर कहीं किसी ने मजाक कर लिया तो हमेशा के लिए बुरा मान जाते थे। जबकि वह दौर ऐसा था जब कवि मजाक की बड़ी चीज हुआ करता था। लेकिन यह बात उन पर लागू नहीं होती थी। वे पूरी गंभीरता से कवि कर्म करते थे। और उससे ज्यादा कवि के हावभाव में रहते, चलते, सोचते, दिखते थे। अंदर बाहर एक समान थे। भोले कह सकते हैं। दुनिया के छल छंदों से कोई मतलब नहीं। अच्छी कविता कहते थे। उन दिनों तो कवि गोष्ठियों की भरमार हुआ करती थी। खूब सुनाने का मौका मिला करता था। और स्थानीय अखबारों में छपने का भी। सभी अखबार रविवार को साहित्य, कविता छापते थे। वैसे भी छप जाती थी। लेकिन हमें याद नहीं कि उसके लिए उन्होंने कभी सिफारिश करवाई हो। कहा हो। यह खास बात थी। उनकी अपनी एक अना (आत्मसम्मान) थी। इसीलिए सारी बातें खूब याद आ रही हैं। कष्ट और संकट तो होंगे ही। मगर उसका भी जिक्र कभी किया नहीं। तो एक दौर था। उसमें जीते और फिर जल्दी ही चले जाते लोग थे। मगर एक रंग था। मस्ती का। बेफिक्री का। छोटे-छोटे सुखों का। जिनमें कविता का छप जाना। कवि गोष्ठी में पूरा सम्मान मिल जाना जैसी छोटी-छोटी खुशियों के साथ प्रमोद अश्क जैसे मनमौजी शायर अपनी पूरी जिन्दगी निकाल देते थे। अलविदा दोस्त। शायद अश्क जी कहलाना ज्यादा पसंद करोगे! तो विदा अश्क जी।

संविधान पर चल रहे विमर्श के निहितार्थ

- डॉ राजू पाण्डेय

हमारे साथ स्वतंत्र हुए देशों में लोकतंत्र असफल एवं अल्पस्थायी सिद्ध हुआ और हमारे लोकतंत्र ने सात दशकों की सफल यात्रा पूरी कर ली है तो इस कामयाबी के पीछे हमारे संविधान के उदार एवं समावेशी स्वरूप की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। संविधान ने हमें सम्मानपूर्वक जीने का अधिकार दिया है जिसकी परिधि में भोजन, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, स्वच्छ-स्वास्थ्यप्रद पर्यावरण और भ्रष्टाचार मुक्त परिवेश सभी समाहित हैं। इस अधिकार का विस्तार गैर नागरिकों तक भी है संविधान दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों और संगोष्ठियों का एक उद्देश्य यह भी होता है कि संघ परिवार एवं उसके विचारकों की संविधान के प्रति असहमति को बहुत विद्वत्तापूर्ण तरीके से जायज ठहराया जाए। हम अब जानते हैं कि जिस तरह दक्षिणपंथी खेमा संविधान के निर्माण की प्रक्रिया का हिस्सा नहीं था उसी प्रकार वामपंथी खेमा भी इससे दूर था। ऐसा नहीं था कि संविधान सभा में केवल वे ही लोग थे जो स्वाधीनता आंदोलन से सीधे-सीधे सम्बद्ध थे। प्रारंभ में इसके 389 सदस्यों में से 93 शाही रियासतों का प्रतिनिधित्व करते थे। प्रान्तों हेतु निर्धारित 296 सदस्यों के लिए जुलाई 1946 में हुए चुनावों में कांग्रेस के 208 जबकि मुस्लिम लीग के 73 सदस्य निर्वाचित हुए। 15 सदस्य अन्य दलों के थे या स्वतंत्र थे। इस प्रकार अब हमें ज्ञात है कि अधिकांश सदस्य कांग्रेस से थे और जब बाद में मुस्लिम लीग ने 9 दिसंबर 1946 को हुई संविधान सभा की पहली बैठक का ही बहिष्कार कर दिया तब तो लगभग कांग्रेस के सदस्य ही शेष रह गए थे। अब हमें बताया जा रहा है कि समाजवादी रुझान के सदस्यों के तर्क और सुझाव प्रभावशाली होते हुए भी अंतिम ड्राफ़्ट में स्थान न पा सके। पाकिस्तान के लिए अलग संविधान सभा के गठन के प्रस्ताव के बाद बहुत से सदस्यों की सदस्यता समाप्त हो गई। शेष 299 में से सात आदिवासी सदस्यों-जयपाल सिंह मुंडा, रूपनाथ ब्रह्मा, फूलभान शाह, देवेंद्रनाथ सामंत, जेजे एम निकोल्स रॉय, मायंग नोकचा एवं बोनीफास लकड़ा -ने पुरजोर ढंग से अपनी बात कही लेकिन इसका कोई विशेष असर संविधान पर दिखता हो ऐसा नहीं लगता। अब हमें ज्ञात है कि संविधान सभा में महिला सदस्यों की संख्या 15 थी जो आनुपातिक दृष्टि से नगण्य थी। यद्यपि यह विदुषियां स्वाधीनता संग्राम की सक्रिय सहभागी थीं और स्त्रियों की दुर्दशा से भलीभांति अवगत एवं इसे स्वर देने में सक्षम थीं किंतु संविधान स्त्री विमर्श को ध्यान में रखता हो ऐसा नहीं लगता। इन सारे तथ्यों का प्रस्तुतिकरण कुछ इस प्रकार से किया जाता है कि संविधान कांग्रेस की सोच की पैदाइश है, जिसमें देश के अधिकांश राजनीतिक दलों और सामाजिक वर्गों का प्रतिनिधित्व नहीं था, तब संविधान को लेकर हमारी दुविधा और बढ़ जाए। आजकल हमें समझाया जाता है कि भारतीय परंपरा की संविधान में अवहेलना की गई और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही हैं जिन्होंने देश की संपन्न लोकतांत्रिक विरासत को चर्चा में लाया जब उन्होंने भारत को लोकतंत्र का उद्गम स्थल बताया और संकल्प व्यक्त किया कि हम दुनिया को यह कहने पर विवश कर देंगे कि इंडिया इज द मदर ऑफ डेमोक्रेसी। (नए संसद भवन के वैदिक रीति से भूमि पूजन के अवसर पर दया गया भाषण)। इस वर्ष भी संविधान दिवस पर जब मोदी जी यह कहते हैं कि- हमारा संविधान सिर्फ अनेक धाराओं का संग्रह नहीं है, हमारा संविधान सहस्त्रों वर्ष की महान परंपरा, अखंड धारा उस धारा की आधुनिक अभिव्यक्ति है- तो वे संविधान की प्रेरणाओं और मूल तत्वों के स्वदेशी उद्गम की ओर संकेत करते हैं। क्या मोदी जी संविधान को ऐसी विशेषताओं से संयुक्त कर रहे हैं जो संविधान निर्माताओं का अभीष्ट नहीं थीं। संविधान निर्माताओं के प्रति आदर व्यक्त करते हुए इस संविधान का एक नया पाठ तैयार किया जा रहा है जो लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के शब्दों में संविधान को %हमारे लिए पवित्र गीता महाग्रंथ के आधुनिक संस्करण की तरह बना देता है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के अनुसार हर सांसद का यह दायित्व बनता है कि वे संसद रूपी लोकतंत्र के इस मंदिर में उसी श्रद्धा भाव से अपना आचरण करें, जैसा कि वे अपने पूजा स्थलों में करते हैं।

इस बात पर चर्चा होनी चाहिए कि आकर्षक एवं निर्दोष लगने वाली यह उपमाएं कहीं हमारे संविधान को धर्म सम्मत बनाने की प्रक्रिया का हिस्सा तो नहीं हैं। अब हमें बार-बार स्मरण दिलाया जा रहा है कि 42 वें संविधान संशोधन के जरिए संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी, पंथ निरपेक्ष और एकता तथा अखंडता शब्द जोड़े गए थे, यह मूल संविधान का हिस्सा नहीं थे। हमारे अवचेतन में यह प्रविष्ट करा दिया गया है कि हमारे संविधान का सेक्युलर स्वभाव थोपा हुआ है। एक पोस्ट इन दिनों बहुत वायरल हो रही है जिसके अनुसार बाबा साहब आंबेडकर इस संविधान को स्वयं जला देना चाहते थे। किंतु आम जनता से बहुत चतुराई से यह छिपा लिया जाता है कि यह बहुसंख्यक वर्चस्व की घातक वृत्ति ही थी जिसने हमारे संविधान की पवित्रता को खंडित किया था जिसके कारण बाबा साहब आहत थे। उन्होंने 2 सितंबर 1953 को राज्यसभा में कहा- छोटे समुदायों और छोटे लोगों को यह भय रहता है कि बहुसंख्यक उन्हें नुकसान पहुंचा सकते हैं और ब्रितानी संसद इस डर को दबा कर काम करती है। श्रीमान, मेरे मित्र मुझसे कहते हैं कि मैंने संविधान बनाया है।

डब्ल्यूएचओ इस संक्रमण के बारे में हासिल करे जरूरी जानकारी

कोरोना वायरस के बदले हुए प्रतिरूप ओमिक्रोन से संक्रमित दो मरीजों का कर्नाटक में मिलना चिंता का विषय अवश्य है, लेकिन इसके बाद भी घबराने की जरूरत नहीं। इसलिए नहीं, क्योंकि फिलहाल इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं कि यह कोरोना वायरस कितना घातक है? ओमिक्रोन के बारे में अभी तक जो जानकारी सामने आई है, उसके अनुसार यह कहीं अधिक तेजी से लोगों को संक्रमित करता है और युवाओं को अधिक चपेट में लेता है। शायद इसी कारण अभी तक यह 25 से अधिक देशों में फैल चुका है, लेकिन इसी के साथ एक तथ्य यह भी है कि अभी उससे संक्रमित मरीजों की संख्या चार सौ से भी कम हैं। इस वायरस की घातकता का पता चलने तक यह आवश्यक है कि उसके संक्रमण से बचे रहने के उपायों पर जोर दिया जाए और इसके लिए जरूरी कदम उठाए जाएं कि वैसी स्थिति न बनने पाए, जैसी संक्रमण की दूसरी लहर के दौरान बनी थी। हालांकि अभी तक ओमिक्रोन से संक्रमित मरीजों में कोई गंभीर लक्षण नहीं दिखे हैं, लेकिन आगे ऐसा होने का अंदेशा है। इसी कारण ओमिक्रोन को दुनिया भर के लिए एक बड़े खतरे के रूप में देखा जा रहा है। ऐसे में यह जरूरी है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन तत्परता का परिचय देकर इस वायरस के बारे में जरूरी जानकारी जल्द हासिल कर उससे दुनिया को अवगत कराए। जानकारी जितनी सटीक होगी, वह संक्रमण से बचाव में उतनी ही सहायक बनेगी। भारत सरकार और विशेष रूप से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रलय को भी अपने स्तर पर वही काम करना होगा, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन से अपेक्षित है। उसे राज्य सरकारों को इसके लिए प्रेरित और प्रोत्साहित भी करना होगा कि वे टीकाकरण की रफ्तार बढ़ाएं। यह रफ्तार बढ़े, इसकी चिंता आम लोगों और खासकर उन्हें करनी होगी, जिन्होंने अभी तक टीके की एक भी खुराक नहीं ली है। यह ठीक नहीं कि एक बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जिन्होंने टीके की दूसरी खुराक समय पर नहीं ली है। यह खतरनाक लापरवाही है। उन कारणों की तह तक जाकर उनका निवारण करने की जरूरत है, जिनके चलते लोग टीके की दूसरी खुराक लेने के लिए आगे नहीं आ रहे हैं।

IT 04 DEC 2021:IT 04 DEC 2021.qxd 12/3/2021 5:30 PM Page 5

सर्दियों में सरसों का तेल है अत्यंत लाभकारी

अगर आप सरसों के तेल का इस्तेमाल करने से बचते हैं, तो इसके स्वास्थ्यवर्धक गुण, सेहत और सौन्दर्य फायदे जानने के बाद इसे तुरंत ही इस्तेमाल करने लगेंगे –

1 सरसों के तेल को बहुत पौष्टिक माना जाता है, इसलिए इसका प्रयोग खाना बनाने के लिए भी किया जाता है। इसकी तासीर गर्म होने से सर्दियों में यह अत्यंत लाभकारी माना जाता है।

2 सरसों के तेल की मालिश करने से शरीर की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और रक्त संचार भी बेहतर होता है। यह शरीर में गर्माहट पैदा करने में भी मददगार होता है।

3 दांतों की तकलीफ में सरसों के तेल में नमक मिलाकर रगड़ने से फायदा होता है, साथ ही दांत पहले से अधिक मजबूत हो जाते हैं।

4 त्वचा संबंधी समस्याओं में भी बेहद फायदेमंद होता है। यह शरीर के किसी भी भाग में फंगस को बढ़ने से रोकता है और त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाता है।

5 यह बालों की जड़ों को पोषण देकर रक्तसंचार बढ़ाता है जिससे बालों का झड़ना बंद हो जाता है। इसमें ओलिक एसिड और लीनोलिक एसिड पाया जाता है, जो बालों की ग्रोथ बढ़ाने के लिए अच्छे होते हैं।

6 सरसों तेल को कई लोग एक टॉनिक के रूप में भी प्रयोग करते हैं। यह शरीर की कार्य क्षमता बढ़ा कर शरीर की कमजोरी को दूर करने में सहायता करता है।इस तेल की मालिश के बाद स्नान करने से शरीर और त्वचा दोनों स्वस्थ रहते हैं।

7 ठंड के दिनों में सरसों का तेल गर्माहट के लिए रामबाण इलाज है, हल् के गर्म तेलकी मसाज से रूखी-सूखी त्वचा भी नर्म, मुलायम व चिकनी हो जाती है। सरसों के तेल की मालिश से गठिया रोग और जोड़ो का दर्द भी ठीक हो जाता है।

8 इसमें विटामिन ई भी अच्छी मात्रा में पाया जाता है, जो त्वचा को अल्ट्रावाइलेट किरणों और पल्यूशन से बचाता है। साथ ही यह झाइयों और झुर्रियों से भी काफी हद तक राहत दिलाने में मदद करता है।

9 भूख नहीं लगने पर भी सरसों का तेल आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। अगर भूख न लगे, तो खाना बनाने में सरसों के तेल का उपयोग करना लाभप्रद होता है। शरीर में पाचन तंत्र को दुरूस्त करने में भी लाभदायक होता है।

10 सरसों के तेल का प्रयोग करने से से कोरोनरी हार्ट डिसीज का खतरा भी कम होता है। इसलिए सरसों के तेल को अपने खाने में जरुर शामिल करें।

सर्दी में क्यों न करें परफ्यूम का इस्तेमाल ?

आम तौर पर हम शरीर की दुर्गंध से बचने और तरोताजा महसूस करने के लिए डिओडरेंट या परफ्यूम का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन मौसम के बदलने पर इनमें परिवर्तन की जरूरत होती है। जानिए सर्द मौसम में इनमें से किसे अपनाया जाए – दरअसल सर्दी के दिनों में त्वचा बेहद रूखी होती है और इसमें नमी का अभाव होता है, जिससे कई बार त्वचा फटने भी लगती है। इस समय त्वचा पर ऐसी कोई भी चीज का इस्तेमाल, जो केमिकलयुक्त हो या सीधा प्रभाव डालती हो, परेशानी का सबब बन सकता है। रूखी या फटी त्वचा पर डिओ या परफ्यूम का इस्तेमाल जलन पैदा कर सकता है या फिर त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए ऐसे डिओ या मिस्ट का उपयोग करना बेहतर होगा, जो नैचुरल हों और उनमें कोई कैमिकल न हों। इसके बजाए आप घर पर ही सुगंधित फूलों से तैयार नैचुरल इत्र या डिओ का प्रयोग कर सकते हैं। आप चाहें तो नहाने के पानी में गुलाब, मोगरा या चमेली के फूलों की पत्त?ियों को मिलाएं और इस पानी से स्नान करें। या फिर नहाने के पानी में गुलाबजल डालकर इस पानी से नहाएं। ऐसा करने पर आपको अलग से किसी परफ्यूम की जरूरत नहीं पड़ेगी और आप दिनभर तरोताजा और महके हुए रहेंगे।

ठंड के दिनों में खाएं ये चीजें, हमेशा बने रहेंगे सेहतमंद

सर्दी के दिनों में खास तौर से कुछ विशेष चीजों का सेवन करना कई तरह से फायदेमंद साबित होता है। जानिए ऐसी ही 15 चीजें जिनका प्रयोग सर्दियों में रखेगा आपकी सेहत, सुंदरता और मस्तिष्क का विशेष ख्याल...

1 खसखस – यह दिमाग को तेज करने में सहायक होता है। ठंड के दौरान इसे खाने से प्रोटीन, कैल्शियम मिलता है। इसके चाहें तो रातभर पानी में रखकर सुबह खा लें या फिर इसका दूध या हलवा बनाएं।

2 काजू – इसमें कैलोरी ज्यादा रहती है। ठंड में शरीर का तापमान नियंत्रित रखने के लिए ज्यादा कैलोरी की आवश्यकता होती है। काजू से कैलोरी मिलती है जिससे शरीर स्वस्थ रहता है।

3 बादाम – भीगी हुई खसखस खाली पेट खाने से दिमाग में तरावट और दिनभर ऊर्जा बनी रहती है। आप चाहें तो खसखस वाला दूध या फिर खसखस और बादाम का हलवा खा सकते हैं।

4 अखरोट – कोलेस्ट्राल को कम करने में सहायक होता है। इसमें फायबर, विटामिन ए और प्रोटीन रहता है। जो कि शरीर को स्वस्थ रखने में सहायता प्रदान करता है।

5 अंजीर – इसमें आयरन होता है, जो खून बढ़ाने में सहायक होता है।

6 च्यवनप्राश – च्यवनप्राश प्रतिदिन खाने से शरीर का पाचनतंत्र सुदृढ़ होता है, स्फूर्ति बनी रहती है।

7 गजक – यह गुड़ और तिल से बनाई जाती है। गुड़ में आयरन, फास्फोरस अधिक मात्रा में पाया जाता है। तिल में कैल्शियम व वसा होता है। इसके कारण ठंड के समय शरीर को अधिक कैलोरी मिल जाती है और शरीर का तापमान भी नियंत्रित रहता है।

8 पिंड खजूर – इसमें आयरन के साथ मिनरल्स और विटामिन भी रहते हैं। इसे ठंड में 20 से 25 ग्राम प्रतिदिन लेना चाहिए।

9 दूध – रात को सोते समय केसर, अदरक, खजूर, अंजीर, हल्दी दूध में डालकर लेना चाहिए। सर्दी के मौसम में होने वाली सर्दी-खांसी से बचाव हो जाता है।

10 गोंद लड्डू – इस मौसम में ज्यादा अच्छे रहते हैं क्योंकि आसानी से पच जाते हैं। एक लड्डू में 300 से 350 कैलोरी होती है।

11 **साबुत अनाज** –चूंकि यह मौसम सेहत बनाने के लिए बढ़िया होता है अत- इस मौसम में साबुत अनाज लेना हमेशा फायदे का सौदा है। चाहे अंकुरित करके या फिर सभी प्रकार के अनाज का आटा बनाकर प्रयोग करें।

12 घी – ठंड में जोड़ों की समस्या, घुटनों व जोड़ों के दर्द, आर्थराइटिस आदि से बचाव के लिए शरीर में आवश्यक चिकनाई होना बेहद जरूरी है। घर शारीरिक और मानसिक सेहत के लिए फायदेमंद है।

13 शहद – शहद एक प्राकृतिक एंटीबायोटिक है जिसमें मौजूद औषधीय गुण आपको सर्दी की सेहत समस्याओं से बचाएंगे और प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मददगार साबित होंगे।

14मिक्स दाल के लड्डू – दाल में प्रोटीन होता है। यह बाल झड़ने को रोकता है और शरीर को स्फूर्ति प्रदान करता है।

15हरी सब्जियां – सर्दी में हरी सब्जियों की आवक खूब होती है अत- इनका भरपूर सेवन करें। हरी सब्जियां पर्याप्त पोषण के साथ-साथ शरीर को आंतरिक शक्ति प्रदान करती हैं।

सर्दियों में अपनाएं ये 10 टिप्स और दिखें बिलकुल तरोताजा

सर्दियों में तुरंत बिस्तर छोड़ने की इच्छा नहीं होती। भूख बढ़ जाती है और शारीरिक मेहनत कम हो जाती है। लेकिन छोटी-छोटी बातों के साथ सुबह की शुरुआत की जाए तो यह मौसम आपके स्वास्थ्य व सौंदर्य के लिए वरदान साबित होगा।

बिस्तर छोड़ने के पहले व्यायाम

जैसे ही आप बिस्तर से उठते हैं अपने शरीर को तानिए और ढीला छोड़िए। फिर से तानिए और ढीला छोड़िए। चार-पांच बार इस क्रिया को दोहराइए। ऐसा करने से शरीर में गर्मी के तापक्रम में वृद्धि होगी। यदि आपके पास समय है तो एक ही स्थान पर खड़े होकर कुछ देर जॉगिंग कीजिए। ऐसा करने से भी शरीर में चुस्ती-फुर्ती आएगी और आपके अगले काम फटाफट होंगे।

उबटन स्नान और ताजगी

स्नान में साबुन को अधिक महत्व न दीजिए। कोई-सा भी उबटन लगाइए। बांहों, पैरों, घुटनों, पीठ एवं गर्दन को उबटन से रगड़िए, उसके बाद नहाइए। फिर खुरदरे तौलिए से बदन पोंछिए। इस तरह के स्नान से ताजगी, चुस्ती और गर्मी महसूस होगी।

डटकर खाइए

इन दिनों भूख अधिक लगती है और भूखे पेट सर्दी अधिक लगती है। सुबह पौष्टिक नाश्ता भरपूर कीजिए। खाने में भरपूर ऊर्जा प्रदान करने वाला भोजन कीजिए। इसमें प्रोटीन, पनीर, दूध, अनाज, आलू, ताजे फल और हरी सब्जियों का सेवन कीजिए। गरमागरम सूप लेना भी इन दिनों अच्छा रहता है।

गर्म कपड़े भरपूर पहनें लेकिन...

मौसम के अनुसार कपड़ों का चयन कीजिए। शोख रंगों को अपनाइए। सर्दी से बचाव का बढ़िया तरीका है एक ही भारी-भरकम गर्म लबादे के बजाए पतली तह वाले कई गर्म कपड़े पहनिए। अंदर के वस्त्र कॉटन के ही हों तो बेहतर होगा। दस्ताने और मौजे पहनने से कतराइए नहीं इनसे आपको आराम भी मिलेगा और त्वचा की सुरक्षा भी होगी। गर्म कपड़े ठंड के अनुसार पहनें लेकिन कभी-कभी शरीर को ठंड लगने भी दीजिए। मौसम का मजा लेना भी जरूरी है।

पैदल चलिए

यदि आप कामकाजी हैं व ऑफिस आपके घर से ज्यादा दूर नहीं है तो संभव हो सके तो आप पैदल ही जाइए। इससे रक्त संचार बढ़ेगा, जो सर्दी को कम करेगा। इस मौसम में लिफ्ट का प्रयोग कम से कम कीजिए। दिन में दो-चार बार सीढ़ियां अवश्य चढ़िए। इससे शरीर का व्यायाम भी होगा और गर्मी भी आएगी। यदि आपका काम पैदल चलने का अधिक नहीं है तो जब भी समय मिले घर में ही तेज चाल से कुछ देर चलिए। पैदल चलना शरीर को गर्मी पहुंचाता है।

हाथ-पैरों को बचाएं

एड़ियां व होंठों को फटने से बचाएं। पैरों की मालिश करके सर्दी से बचाएं। घर में स्लीपर के साथ मोजे पहने रहें। बिवाई नहीं पड़ेगी। होंठों पर वैसलीन व चैपस्टिक लगाती रहें, इससे ये सूखेंगे नहीं।

शोख कलर पहनिए

शोख कपड़ों के साथ-साथ मेकअप भी शोख रंगों से कीजिए। ब्राउन या लाल रंग के विभिन्न शेड लिपस्टिक के इन दिनों खूब फबेंगे। यदि आप आंखों का मेकअप करती हैं तो स्लेटी, भूरे, सुनहरे और तेज रंग के आई शेडो का इस्तेमाल करें।

कमरे का तापक्रम

बहुत अधिक गरम या एयर कंडीशनरयुक्त रूम में न सोएं। इससे आप सर्दी से तो बच जाएंगे, पर सुबह उठने पर आप अपने आपको तरोताजा महसूस करने की अपेक्षा सुस्ती से घिरा पाएंगे।

मॉइश्चराइजर बेहतरीन साथी

इन दिनों सर्द हवाओं के साथ-साथ धूप का व्यापक प्रभाव भी त्वचा पर पड़ता है। अत: कोल्ड क्रीम के साथ मॉइश्चराइजर का भी प्रयोग करें। त्वचा की नमी बनाए रखने के लिए पेट्रोलियम, लेनोलिन, मिनरल ऑइल, ग्लिसरीन आदि का भी प्रयोग करें। ये नमी प्रदान करने वाले तत्व त्वचा की रक्षा भी करेंगे। प्रतिदिन चेहरे की सफाई क्लींजिग मिल्क से करें। विंटर केयर लोशन कोल्ड क्रीम व मॉइश्चराइजर दोनों की कमी पूरा करता है। किसी अच्छी कंपनी का लोशन इन दिनों के लिए चुन लें। आपकी त्वचा पर मौसम का अतिरिक्त प्रभाव नहीं पड़ेगा।

IT 04 DEC 2021:IT 04 DEC 2021.qxd 12/3/2021 5:30 PM Page 6

पुतिन का भारत दौरा:विदेश मंत्रालय ने कहा-

6 दिसंबर को मोदी से मुलाकात करेंगे रूस के राष्ट्रपति, 2+2 समिट भी होगी

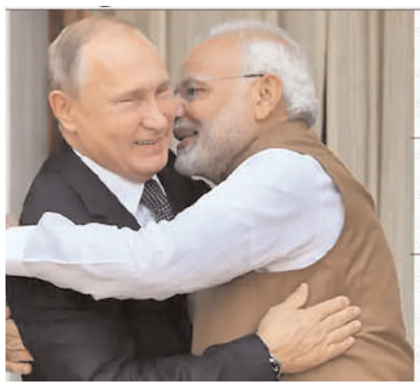

एक दिन के लिए भारत आएंगे रूसी राष्ट्रपति

विदेश, रक्षा मंत्री एक दिन पहले आ सकते हैं

ट्रेड, डिफेंस और इन्वेस्टमेंट पर करार मुमकिन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन 6 दिसंबर को भारत यात्रा पर आ रहे हैं। एक दिन की इस यात्रा के दौरान रूसी राष्ट्रपति का शेड्यूल का बिजी रहेगा। इस दौरान वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात करेंगे। इसके अलावा 2+2 समिट भी अहम होगी। इसमें भारत और रूस के विदेश और रक्षा मंत्रियों के साथ दोनों देशों के आला अफसर शिरकत करेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार को पुतिन की भारत यात्रा की पुष्टि की।

21वीं समिट की तैयारियां पूरी

भारत और रूस के बीच यह 21वीं समिट होगी। इस दौरान क्षेत्रीय मुद्दों के साथ आपसी और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचार होगा। माना जा रहा है कि इस दौरान अफगानिस्तान के मसले पर भी चर्चा होगी। इसके अलावा कोविड-19 पर सहयोग के बारे में भी चर्चा होगी। यह इसलिए भी अहम हो जाता, क्योंकि साउथ अफ्रीका में कोरोना का नया वैरिएंट पाया गया है। गुरुवार को ही भारत में भी इसके दो संक्रमित पाए गए हैं। समिट के लिए तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं।

राजनाथ मिलेंगे सोयग्यू से

बागची के मुताबिक, 6 दिसंबर को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंग रूस के डिफेंस मिनिस्टर सर्गेई सोयग्यू से मुलाकात करेंगे। इस दौरान दोनों के बीच मिलिट्री-टेक्निकल कोऑपरेशन पर बातचीत होगी। इसके बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर रूस के फॉरेन मिनिस्टर सर्गेई लावरोव से बातचीत करेंगे। बागची ने कहा- इस समिट के दौरान दोनों देशों के बीच गहन बातचीत होगी।

2+2 समिट अलग से होगी

पहले दोनों देशों के रक्षा और विदेश मंत्री मिलेंगे। इसके बाद भारत और रूस के बीच औपचारिक तौर पर 2+2 समिट होगी। इसमें भी दोनों देशों के रक्षा और विदेश मंत्री शामिल होंगे। इसके बाद डेलिगेशन लेवल की बातचीत होगी। इस बातचीत में आपसी संबंधों के अलावा क्षेत्रीय मुद्दों और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम पर भी विचार किया जाएगा।

ग्रीस में मिला ऑमिक्रॉन का पहला केस

तीन बार टेस्ट में निगेटिव आई रिपोर्ट, चौथी बार पॉजिटिव; दक्षिण अफ्रीका से लौटा था शख्स

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन का ग्रीस में भी पता चला है। नेशनल पब्लिक हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के हेड थियोक्लिस जौटिस ने एक ब्रीफिंग में कहा कि वह ग्रीस का ही रहने वाला है और दक्षिण अफ्रीका से 26 नवंबर को देश लौटा था। एयरपोर्ट पर उसका एक्सप्रेस टेस्ट किया गया था। तब उसकी रिपोर्ट निगेटिव आई थी। अगले दिन उसमें हल्के लक्षण दिखाई दिए। इसके बाद भी एक्सप्रेस टेस्ट किए गए, लेकिन उनकी रिपोर्ट भी निगेटिव आई। 29 नवंबर को रिपोर्ट पॉजिटिव निकली। इसके वेरिफिकेशन के लिए PCR टेस्ट किया गया। गुरुवार सुबह उसमें ओमिक्रॉन की पुष्टि हुई। इसी के साथ ओमिक्रॉन के संक्रमित मिलने वाले देशों की संख्या 33 हो गई है। इन देशों में 393 मरीज मिल चुके हैं।

ग्रीस लौटे शख्स का 26 नवंबर को एक्सप्रेस टेस्ट किया गया, उसकी रिपोर्ट निगेटिव आई

हल्के लक्षण के बावजूद अगले दो दिन कराए टेस्ट में संक्रमण का पता नहीं चला

29 नवंबर को कराए एक्सप्रेस टेस्ट में पहली बार उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई

संपर्क में आए सभी लोग क्वारैंटाइन

जौटिस ने बताया कि मरीज को क्वारैंटाइन कर दिया गया है। वह जिन लोगों के संपर्क में था, उन्हें भी क्वारैंटाइन किया गया है। सभी की टेस्ट रिपोर्ट अब तक निगेटिव है। उन्हें निगरानी में रखा गया है। हालांकि इस वैरिएंट को लेकर कई सवाल भी हैं। पहला यह कि क्या यह पहले मिले डेल्टा वैरिएंट से ज्यादा संक्रामक है। हम इस बारे में कुछ नहीं जानते। दक्षिण अफ्रीका से जो डेटा मिला है, उसके मुताबिक तो यह डेल्टा से ज्यादा संक्रामक नहीं है। दूसरा कि इसका असर क्या है। हम इस बारे में भी कुछ नहीं जानते। दक्षिण अफ्रीका के डॉक्टर कह रहे हैं कि इसके लक्षण बहुत हल्के हैं। आखिरी और सबसे जरूरी सवाल कि क्या मौजूदा वैक्सीन इस वायरस से लड़ सकती हैं।

भारत में भी 2 मरीज मिले, एक दुबई लौटा

भारत में भी 2 लोगों में ओमिक्रॉन वैरिएंट की पुष्टि हुई है। दोनों मरीज कर्नाटक में मिले। इनमें एक 66 साल का विदेशी नागरिक है, जो पिछले दिनों साउथ अफ्रीका गया था, जबकि दूसरा बेंगलुरु के बोमनहल्ली का 46 साल का हेल्थ वर्कर है। दोनों की पॉजिटिव रिपोर्ट आने के बाद सैंपल जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजे गए थे। इसकी रिपोर्ट में ओमिक्रॉन वैरिएंट की पुष्टि हुई है। इनके संपर्क में आने वाले एक डॉक्टर समेत 6 अन्य लोगों के सैंपल भी पॉजिटिव पाए जाने पर जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजा गया है। भारत में ओमिक्रॉन के मरीज मिलने के बाद सरकार ने आशंका जताई है कि यह वैरिएंट तेजी से फैल सकता है। यह डेल्टा से 5 गुना तक ज्यादा संक्रामक हो सकता है। हालांकि, इससे संक्रमित सभी मामलों में अब तक हल्के लक्षण पाए गए हैं।

विकलांग व्यक्ति यों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस को चिह्नित करने के लिए कोलकाता में एक रैली में भाग लेने के लिए शारीरिक रूप से अक्षम।

चीनियों को नहीं मिलेगी शराब : पाकिस्तान में चीन की बीयर-वाइन फैक्ट्रीज और दुकानें बंद, कट्टरपंथियों के आगे झुकी इमरान सरकार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज बीजिग

पाकिस्तान और चीन के रिश्तों में दूरियां बढ़ती जा रही हैं। चाइना-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर के खिलाफ बलूचिस्तान में 19 दिन से जबरदस्त विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। आतंकी हमलों और स्थानीय लोगों के विरोध के चलते CPEC का काम करीब डेढ़ साल से बंद है। चीन ने करीब एक साल से CPEC के लिए किसी तरह के फंड्स भी जारी नहीं किए हैं। अब बलूचिस्तान में कट्टरपंथियों के विरोध के चलते चीन की बीयर और वाइन फैक्ट्रीज को बंद कर दिया गया है। इतना ही नहीं इनकी तमाम वाइन शॉप्स, यानी शराब की दुकानें भी बंद कर दी गई हैं। इससे चीन का नाराज होना तय माना जा सकता है। हालांकि, पाकिस्तान की इमरान खान सरकार ने अब तक इस बारे में आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। आइए इस मुद्दे को समझते हैं।

पहले माजरा समझिए

2015 में जब CPEC ने रफ्तार पकड़ी तो चीन के हजारों कर्मचारी पाकिस्तान आए। चीन और पाकिस्तान की संस्कृति में जमीन-आसमान का फर्क है। पाकिस्तान में शराब मिलती तो है, लेकिन इसके लिए होटलों और दुकानों को खास परमिट जारी किए जाते हैं। जब हजारों चीनी पाकिस्तान के अलग-अलग हिस्सों में पहुंचे तो इन्हें शराब की जरूरत महसूस हुई। इसके लिए चीनी कंपनी हुई ने 2017 में लाइसेंस के लिए अप्लाई किया। एक साल बाद यह मिल गया। सरकारी दावा तो यह है कि प्रोडक्शन इसी साल मार्च में शुरू हुआ, लेकिन पाकिस्तानी मीडिया कहता है कि बलूचिस्तान में प्रोडक्शन 2019 में ही शुरू हो गया था। पिछले महीने जब CPEC के खिलाफ बलूचिस्तान के ग्वादर समेत अलग-अलग शहरों में विरोध प्रदर्शन शुरू हुए तो कट्टरपंथी पार्टियां भी इसमें शामिल हो गईं और उनके दबाव में बीयर-वाइन फैक्ट्री और दुकानें कथित तौर पर बंद करनी पड़ीं। पाकिस्तान के पत्रकार कमर चीमा के मुताबिक- मुल्क के हर बड़े शहर में शराब मिल जाती है। बलूचिस्तान में अगर विरोध हो रहा है तो इसकी वजह सियासी ज्यादा है।

न्यूज ब्रीफ

सर्बिया में पाक एम्बेसी ने पूछा- 3 महीने से सैलरी नहीं मिली, क्या यही नया पाकिस्तान है

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की उनके ही अफसरों ने फजीहत कर दी। सर्बिया में पाकिस्तानी एम्बेसी ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें महंगाई के मुद्दे को लेकर इमरान खान पर तंज कसा। पूछा- तीन महीने से हमें सैलरी नहीं मिली। क्या यही नया पाकिस्तान है? पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बाद में सफाई दी। कहा- अकाउंट हैक कर लिया गया था। हालांकि, तब तक यह पोस्ट वायरल हो चुका था। पोस्ट में इमरान के उस बयान का मीम भी शेयर किया गया जिसमें उन्होंने मुल्क से कहा था- आपने घबराना नहीं है।

अफसरों ने कहा- हमारे पास कोई चारा नहीं:- ट्वीट में अफसरों ने पूछा कि महंगाई सारे पुराने रिकॉर्ड तोड़ रही है, ऐसे में आपको क्या लगता है कि हम सरकारी मुलाजिम कब तक चुप रहेंगे और कब तक बिना सैलरी के काम करेंगे? तीन महीने से सैलरी नहीं मिली। फीस न भरने के कारण बच्चों को मजबूरन स्कूल छोड़ना पड़ा। क्या यही आपका नया पाकिस्तान है? ऐसे ट्वीट के लिए माफी, लेकिन हमारे पास और कोई चारा नहीं है।

आपने घबराना नहीं है नारे का उड़ाया मजाक:- ट्वीट के साथ जो वीडियो शेयर किया गया है उसमें इमरान के नए पाकिस्तान के नारे का मजाक उड़ाया गया है। जुलाई में राष्ट्र को संबोधित करते हुए इमरान ने महंगाई के मुद्दे का जिक्र किया था। इसी दौरान उन्होंने कहा था- आपने सबसे पहले घबराना नहीं है। उनके बयान की इस लाइन पर आज भी जोक्स और मीम्स बनाए जा रहे हैं। कुछ लोगों ने तो इस पर पैरोडी भी बनाईं। एम्बेसी ने भी ट्वीट में यह पैरोडी एम्बेड की थी।

अफगानिस्तान को गेंहू-दवाइयां जरूर भेजेंगे, इस मामले में पाकिस्तान की शर्तें नामंजूर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत ने साफ कर दिया है कि अफगानिस्तान को 50 हजार टन गेहूं, दवाइयां और मेडिकल इक्युपमेंट्स जरूर भेजे जाएंगे और इस मामले में पाकिस्तान से बातचीत जारी है। विदेश मंत्रालय का यह बयान इसलिए अहम है क्योंकि ये राहत सामग्री वाघा बॉर्डर से पाकिस्तान होते हुए अफगानिस्तान भेजी जानी है और पाकिस्तान इसमें कई शर्तें थोप रहा है। पाकिस्तान कह रहा है कि वाघा बॉर्डर से यह माल पाकिस्तान के ट्रक लेकर जाएंगे। भारत इसके लिए तैयार नहीं है।

राहत के मामले में शर्तें नहीं रखी जातीं

गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा- हम 50 हजार टन गेहूं, दवाइयां और मेडिकल इक्युपमेंट्स अफगानिस्तान भेजना चाहते हैं। पाकिस्तान से इसके तरीके के बारे में बातचीत चल रही है। मैं फिर कहना चाहता हूं कि यह मानवीयता के आधार पर मदद है, इसलिए इस मामले किसी तरह की शर्तें नहीं लगाई जानी चाहिए। इस बारे में अगर कोई अपडेट होगा तो हम मीडिया को बताएंगे।

क्या है मामला

अमेरिका और ह की अपील पर 7 अक्टूबर को भारत ने 50 हजार टन गेहूं, दवाईयां और मेडिकल इक्विपमेंट्स भेजने का ऐलान किया। इसके लिए पाकिस्तान से मदद मांगी, क्योंकि ट्रकों के जरिए वाघा बॉर्डर से यह माल पहले पाकिस्तान और फिर अफगानिस्तान भेजा जा सकता है। इमरान खान सरकार, ढ्ढस्ढ्ढ और फौज को उम्मीद नहीं थी कि भारत इतने जल्दी अफगानिस्तान की मदद का फैसला लेगा। 7 अक्टूबर को भेजे गए भारतीय विदेश मंत्रालय के लेटर का जवाब पाकिस्तान ने 24 नवंबर को दिया। इसमें फिजूल सी कुछ शर्तें रख दीं। इनका खुलासा अब हो रहा है और इसके साथ ही पाकिस्तान का असली चेहरा भी दुनिया के सामने आ रहा है। इन्हें समझते हैं।

पाकिस्तान की चाल

पाकिस्तान की शर्त है कि भारत के ट्रक वाघा बॉर्डर पर माल उतारें। वहां से इन्हें पाकिस्तान के ट्रकों में लोड किया जाए। फिर ये ट्रक अफगानिस्तान पहुंचें। पाकिस्तान एक तीर से दो शिकार करना चाहता है। पहला- पाकिस्तानी ट्रक जब सहायता सामग्री लेकर जाएंगे तो बीच में इस पर हाथ साफ किया जा सकता है, यानी चोरी किया जा सकता है। इन्हें अपने गोदामों में ट्रांसफर कर सकता है। दूसरा- ट्रकों पर पाकिस्तान का झंडा होगा। मतलब अफगानिस्तान की जनता ये समझे कि उन्हें भूख से बचाने के लिए पाकिस्तान गेहूं और दवाईयां भेज रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान चाहता है कि भारत से जो राहत सामग्री पाकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान भेजी जा रही है।

अहमदाबाद के एक रेलवे स्टेशन पर एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता कोविड-19 के परीक्षण के लिए शहर में प्रवेश करने वाले एक यात्री का स्वाब नमूना लेता है।

नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हैं।

पाकिस्तान में मजदूरों ने श्रीलंकाई फैक्ट्री मैनेजर को सड़क पर जिंदा जलाया, वजह का खुलासा नहीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज इस्लामाबाद

पाकिस्तान के सियालकोट में शुक्रवार को एक फैक्ट्री के मजदूरों ने अपने मैनेजर को बीच सड़क पर जिंदा जला दिया। मैनेजर श्रीलंकाई नागरिक था। उसका नाम प्रियांथा कुमारा बताया गया है। सभी मजदूर पाकिस्तानी बताए गए हैं। घटना की वजह का अब तक पता नहीं लगा है। पूरे इलाके को सील कर दिया गया है। 2010 में भी इसी तरह की घटना हो चुकी है। प्रियांथा ने हाल ही में बतौर एक्सपोर्ट मैनेजर सियालकोट की इस फैक्ट्री को ज्वॉइन किया था।

हालात तनावपूर्ण

'द डॉन न्यूज' के मुताबिक, घटना शुक्रवार दोपहर की है। सियालकोट के वजीराबाद रोड इलाके में एक मल्टीनेशनल फैक्ट्री है। यहां अचानक हंगामा हो गया। हालांकि, इसकी वजह अब तक साफ नहीं हो पाई है। यहां मजदूरों की भीड़ ने फैक्ट्री के एक्सपोर्ट मैनेजर को पहले बाहर निकालकर पीटा। जब उसकी मौत हो गई तो उसे सड़क पर ही जला दिया गया। सियालकोट के पुलिस ऑफिसर उमर सईद मलिक ने कहा- मारे गए व्यक्ति का नाम प्रियांथा कुमारा है। वो श्रीलंकाई नागरिक था।

वीडियो वायरल

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इनमें देखा जा सकता है कि कुछ लोग एक शख्स को पहले पीटते हैं, बाद में उसे जला देते हैं। इस दौरान नारेबाजी भी सुनाई देती है। घटना के बाद पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री उस्मान बुजदार ने कहा- यह दिल दहला देने वाली घटना है। मैंने इसकी रिपोर्ट तलब की है। मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाएगी। जो लोग भी इसके लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। राज्य के आला अफसर जांच करेंगे।

वजह, कुछ संकेत

सियालकोट में 2010 में भी इसी तरह की घटना हुई थी। तब भीड़ ने दो भाईयों को लुटेरे बताकर उन्हें जिंदा जला दिया था। इसके भी वीडियोज सामने आए थे। आशंका है कि प्रियांथा पर ईशनिंदा जैसा कोई आरोप लगया गया होगा। पाकिस्तान में कई मामलों में इसी तरह के आरोप सामने आए हैं।

IT 04 DEC 2021:IT 04 DEC 2021.qxd 12/3/2021 5:31 PM Page 7

न्यूज ब्रीफ

जूनियर हॉकी विश्व कप पर कोरोना का साया, एक व्यक्ति पॉजिटिव

भुवनेश्वर। कड़े प्रोटोकॉल के बावजूद यहां चल रहा जूनियर हॉकी विश्व कप कोरोना महामारी की चपेट में आ गया है और शुक्रवार को एक व्यक्ति पॉजिटिव पाया गया जो कलिंगा स्टेडियम पर मीडिया सेंटर के संपर्क में था। बायो बबल के भीतर होने और इसकी कवरेज के लिए आए मीडिया की हर 48 घंटे में आरटी पीसीआर जांच होने के बावजूद गुरूवार को कराये गए टेस्ट में एक व्यक्ति पॉजिटिव पाया गया। स्थानीय आयोजन समिति के एक सदस्य के अनुसार यह व्यक्ति ओडिशा सरकार के खेल और युवा कार्य विभाग की सोशल मीडिया टीम का सदस्य है। इस घटना से आयोजकों में दहशत फैल गई और सभी पत्रकारों के लिए शुक्रवार को आरटी पीसीआर टेस्ट अनिवार्य कर दिया गया जिसके बिना उन्हें मीडिया सेंटर पर प्रवेश नहीं मिलेगा। स्थानीय अधिकारी ने कहा, 'आज सभी के लिए आरटी पीसीआर अनिवार्य है जो मीडिया सेंटर आना चाहते हैं और बाकी टूर्नामेंट कवर करना चाहते हैं। हर 48 घंटे में टेस्ट हो रहा है लेकिन ओडिशा खेल विभाग की सोशल मीडिया टीम के एक सदस्य के पॉजिटिव पाए जाने के बाद यह अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने कहा, 'वह रोज मीडिया सेंटर आ रहा था। उसके संपर्क में आए लोगों की पहचान की गई है। मीडिया सेंटर का इस्तेमाल करने वाले सभी लोगों के लिये टेस्ट अनिवार्य है।% 25 नवंबर से शुरू हुए इस टूर्नामेंट में अभी तक कोई घटना नहीं हुई थी। इसे दर्शकों के बिना बायो बबल में आयोजित किया जा रहा है और मीडिया को भी कड़े कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करना पड़ रहा है। भारत के मैचों में हालांकि मैदान में दर्शक दिख रहे हैं। बेल्जियम के खिलाफ बुधवार को क्वार्टर फाइनल में करीब 3000 दर्शक थे।

रोनाल्डो ने 800 गोल के आंकड़े को पार किया, मैनचेस्टर युनाइटेड ने आर्सेनल को हराया

लंदन। पुर्तगाल के दिग्गज खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोल की मदद से मैनचेस्टर युनाइटेड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में गुरुवार को आर्सेनल पर 3-2 की रोमांचक जीत दर्ज की। रोनाल्डो ने इस दौरान शीर्ष स्तर की प्रतियोगिताओं में अपने 800 गोल पूरे किए। रोनाल्डो ने मैच के 52वें मिनट में गोल कर क्लब और देश के लिए मिलाकर 800 गोल के आंकड़े को पूरा किया। उन्होंने इसके बाद 70वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। इससे पहले एमिल स्मिथ ने 14वें और मार्टिन ओडेगार्ड ने 54वें मिनट में आर्सेनल के लिए जबकि ब्रुनो फर्नांडिस ने 44वें मिनट में मैनचेस्टर युनाइटेड के लिए गोल किया था। मैनचेस्टर की टीम ने जर्मनी के दिग्गज कोच राल्फ रेंगनिक के आधिकारिक तौर पर कार्यभार संभालने से पहले यह जीत दर्ज की। पिछले महीने 21 तारीख को ओले गुनार सोल्सकर को बर्खास्त किए जाने के बाद पूर्व खिलाड़ी माइकल केरिक मैनचेस्टर युनाईटेड के प्रभारी की भूमिका निभा रहे थे। केरिक ने प्रभारी रहते टीम ने तीन मैच खेले लेकिन उसे किसी में भी हार का सामना नहीं करना पड़ा।

टेस्ट क्रिकेट का अनोखा रिकॉर्ड : 132 साल में पहली बार 2 मैचों की सीरीज में बने 4 कप्तान, भारत-न्यूजीलैंड सीरीज में दोनों टीमों ने बदले

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

132 सालों में पहली बार है जब दो मैचों की टेस्ट सीरीज में चार कप्तान शामिल हुए हैं। पहली बार ये 1889 में हुआ था। दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच खेली गई टेस्ट सीरीज के दौरान चार कप्तान बने थे। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान ओवेन डुनेल और विलियम मिल्टन थे। वहीं, इंग्लैंड के कप्तान ऑब्रे स्मिथ और मोंटी बोडेनहुई थे। उस समय इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया था।

मुंबई टेस्ट में दोहराया गया इतिहास

अब भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही टेस्ट सीरीज में 132 सालों बाद ये संयोग आया है। पहले टेस्ट मैच में भारत के लिए अजिंक्य रहाणे और न्यूजीलैंड के लिए केन विलियम्सन कप्तान थे। वहीं, दूसरे टेस्ट में दोनों खिलाड़ी चोट के कारण टीम से बाहर हो गए हैं। सीरीज के दूसरे मुकाबले में भारत के कप्तान विराट कोहली और न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लाथम हैं।

भारत के 3 खिलाड़ी हुए बाहर, न्यूजीलैंड में एक बदलाव

मुंबई टेस्ट में भारतीय टीम ने तीन बड़े बदलाव किए हैं। कानपुर टेस्ट के अंतिम दिन फील्डिंग के दौरान तेज गेंदबाज इशांत शर्मा की उंगलियों में चोट लग गई, जिसके चलते वह दूसरे मैच से बाहर हो गए। वहीं, ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को पहले टेस्ट के दौरान दाहिने हाथ में चोट लग गई थी। स्कैन कराने के बाद पता चला कि उनके कंधे में सूजन है। उन्हें आराम की सलाह दी गई है। जबकि उपकप्तान अजिंक्य रहाणे को बाएं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव है। तीनों दूसरे टेस्ट के लिए पूरी तरह फिट नहीं हो पाए। कीवी टीम के केन विलियम्सन भी चोट के कारण टीम से बाहर हो गए हैं।

2003 में दोनों टेस्ट हुए थे ड्रॉ

पिछली बार साल 2003 में भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के दोनों मैचों में एक भी मुकाबला जीत नहीं सकी थी। उस सीरीज के दोनों मैच ड्रॉ हुए थे।

मयंक-अय्यर ने भारतीय पारी को संभाला स्कोर 132/3; पुजारा-कोहली शून्य पर आउट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत और न्यूजीलैंड के बीच शुक्रवार से दूसरा टेस्ट मैच शुरू हो गया है। मैच की शुरुआत टीम इंडिया के टॉस जीतकर बैटिंग करने के साथ हुई। चोटिल इशांत शर्मा की जगह पर मोहम्मद सिराज, रवींद्र जडेजा के स्थान पर जयंत यादव और अजिंक्य रहाणे की जगह कप्तान विराट कोहली की प्लेइंग-XI में वापसी हुई। वहीं, ंई ने केन विलियम्सन की जगह डेरिल मिचेल को टीम में शामिल किया है। 44 ओवर तक IND का स्कोर 3 विकेट के नुकसान पर 132 रन है। मयंक अग्रवाल ने 119 गेंदों पर अपना 5वां अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 10 पारियों के बाद टेस्ट में 50+ का स्कोर बनाया।

कोहली ने गंवाया विकेट

पुजारा को आउट करने के बाद एजाज पटेल ने 29वें ओवर की आखिरी गेंद पर भारतीय कप्तान विराट कोहली को शून्य पर आउट कर टीम इंडिया को बड़ा झटका पहुंचाया। अंतिम गेंद पर कोहली के खिलाफ भी LBW की अपील हुई और अंपायर ने भी आउट करार दिया। भारतीय कप्तान ने रिव्यू लिया क्योंकि उनके अनुसार बल्ले का अंदरूनी किनारा लगकर गेंद पैड पर लगी थी। रिप्ले में दिखा कि बॉल बैट-पैड पर एक साथ लगी थी और कोहली 0 पर आउट हुए। हालांकि अंपायर के फैसला सुनाने के बाद वह काफी गुस्से में नजर आए। मैदान से बाहर जाते समय उन्होंने जोर से बल्ला भी जमीन पर पटका।

पुजारा शून्य पर आउट

29वां ओवर फेंक रहे एजाज पटेल की पहली गेंद पर पुजारा के खिलाफ LBW की अपील हुई जिसे अंपायर ने नकार दिया। कीवी टीम ने DRS लिया। बॉल ट्रैकिंग में दिखा कि गेंद लेग स्टंप को मिस कर रही थी, इसलिए यह नॉट आउट ही रहेगा और कीवी टीम ने रिव्यू गंवाया। मगर इसके बाद अगली ही गेंद पर एजाज ने पुजारा को बोल्ड कर भारत को दूसरा झटका पहुंचाया।

एजाज के खाते में आया पहला विकेट

टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए भारत की शुरुआत बढ़िया रही। पहले विकेट के लिए शुभमन गिल और मयंक अग्रवाल ने 80 रन जोड़े। एजाज पटेल ने इस पार्टनरशिप पर ब्रेक लगाया। उन्होंने गिल (44) को पहली स्लिप में रॉस टेलर के हाथों कैच आउट कर कीवी टीम को पहली कामयाबी दिलाई।

भारत के 3 खिलाड़ी हुए बाहर

कानपुर टेस्ट के अंतिम दिन फील्डिंग के दौरान तेज गेंदबाज इशांत शर्मा की उंगलियों में चोट लग गई है, जिसके चलते वह दूसरे मैच से बाहर हो गए हैं। वहीं, ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को पहले टेस्ट के दौरान दाहिने हाथ में चोट लग गई थी। स्कैन कराने के बाद पता चला कि उनके कंधे में सूजन है। उन्हें आराम की सलाह दी गई है। जबकि उपकप्तान अजिंक्य रहाणे को बाएं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव है। तीनों इस टेस्ट के लिए पूरी तरह फिट नहीं हो पाए हैं। कीवी कप्तान केन विलियम्सन भी कोहनी में चोट के चलते दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनके स्थान पर टॉम लाथम टीम की कप्तानी करेंगे। पहले टेस्ट के ड्रॉ होने के बाद दोनों टीमों की नजरें मुंबई में अच्छा प्रदर्शन कर सीरीज जीतने पर रहेंगी। मुंबई टेस्ट से भारतीय कप्तान विराट कोहली की भी प्लेइंग-ङ्क्ष्ठ में वापसी होने जा रही है। हालांकि, पहले दिन बारिश की संभावना जताई जा रही है और रिपोर्ट्स की मानी जाए तो पहले दिन का पूरा खेल बारिश के चलते खराब हो सकता है।

द. अफ्रीका सीरीज के लिए अच्छी खबर:क्रिकेट बोर्ड ने कहा- बायो बबल में खिलाड़ियों को कोई खतरा नहीं, ओमिक्रॉन के लक्षण सामान्य

इंडिया ए की टीम फिलहाल साउथ अफ्रीका के दौरे पर है और BCCI ने अभी तक टीम को वापस नहीं बुलाया है।

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 17 दिसंबर से शुरू होने वाली सीरीज पर कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन का साया पड़ा है। अब इसको लेकर क्रिकेट क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ शुएब मांजरा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भले ही वायरस का प्रसार तेजी से बढ़े लेकिन इससे भारतीय टीम को परेशानी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि जोहान्सबर्ग क्षेत्र में मामले आए हैं, जहां भारत को अपने पहले दो टेस्ट खेलने हैं, लेकिन वहां इसको लेकर प्रोटोकॉल बनाए गए हैं और भारतीय क्रिकेट टीम को कोई परेशानी नहीं होगी। इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए मांजरा ने कहा, दक्षिण अफ्रीका चौथी लहर की शुरुआत में है, लेकिन जो मामले सामने आए हैं उसमे लक्षण सामान्य रूप से हल्के हैं। गौतेंग राज्य जिसके तहत जोहान्सबर्ग में अस्पताल में भर्ती होने का जोखिम विशेष रूप से उन लोगों में ज्यादा फैल रहा है जिन्होंने वैक्सीन नहीं लगाया है। 75 फीसदी मामले यही इशारा करते हैं। मांजरा ने आगे कहा कि दक्षिण अफ्रीका और इंडिया ए के बीच चल रहे दौरे में अब तक कोई खिलाड़ी पॉजिटिव नहीं आया है, जो अच्छी बात है। भारतीय दौरे को लेकर दक्षिण अफ्रीका बोर्ड ने जो बायो बबल बनाया है वो पूरी तरह से सेफ है। उन्होंने आगे कहा कि पहले दो टेस्ट के लिए होटल पूरी तरह से खिलाड़ियों के लिए होगी, कोई बाहरी मेहमान अंदर नहीं रहेगा। खिलाड़ियों को होटल के बाहरी स्थानों में घूमने का मौका मिलेगा और वे कमरों तक ही सीमित नहीं रहेंगे।

फीडे विश्व शतरंज चैंपियनशिप में नॉर्वे के मौजूदा विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन के खिलाफ उनके चैलेंजर कैंडीडेट विजेता रूस के इयान नेपोमिन्सी पांचवें राउंड मे एक बार फिर मिले मौके को नहीं भुना पाये और मुक़ाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ । 2018 के बाद यह लगातार दूसरी विश्व चैंपियनशिप है जिसमें राउंड 5 तक कोई भी परिणाम नहीं आया है । प्रतियोगिता में तीरसी बार सफ़ेद मोहरो से खेल रहे नेपोमिन्सी नें एक बार फिर राजा के प्यादे को दो घर द्4 चलकर शुरुआत की और कार्लसन नें भी इसी अंदाज में जबाब देते हुए खेल को राय लोपेज ओपनिंग में पहुंचा दिया ।

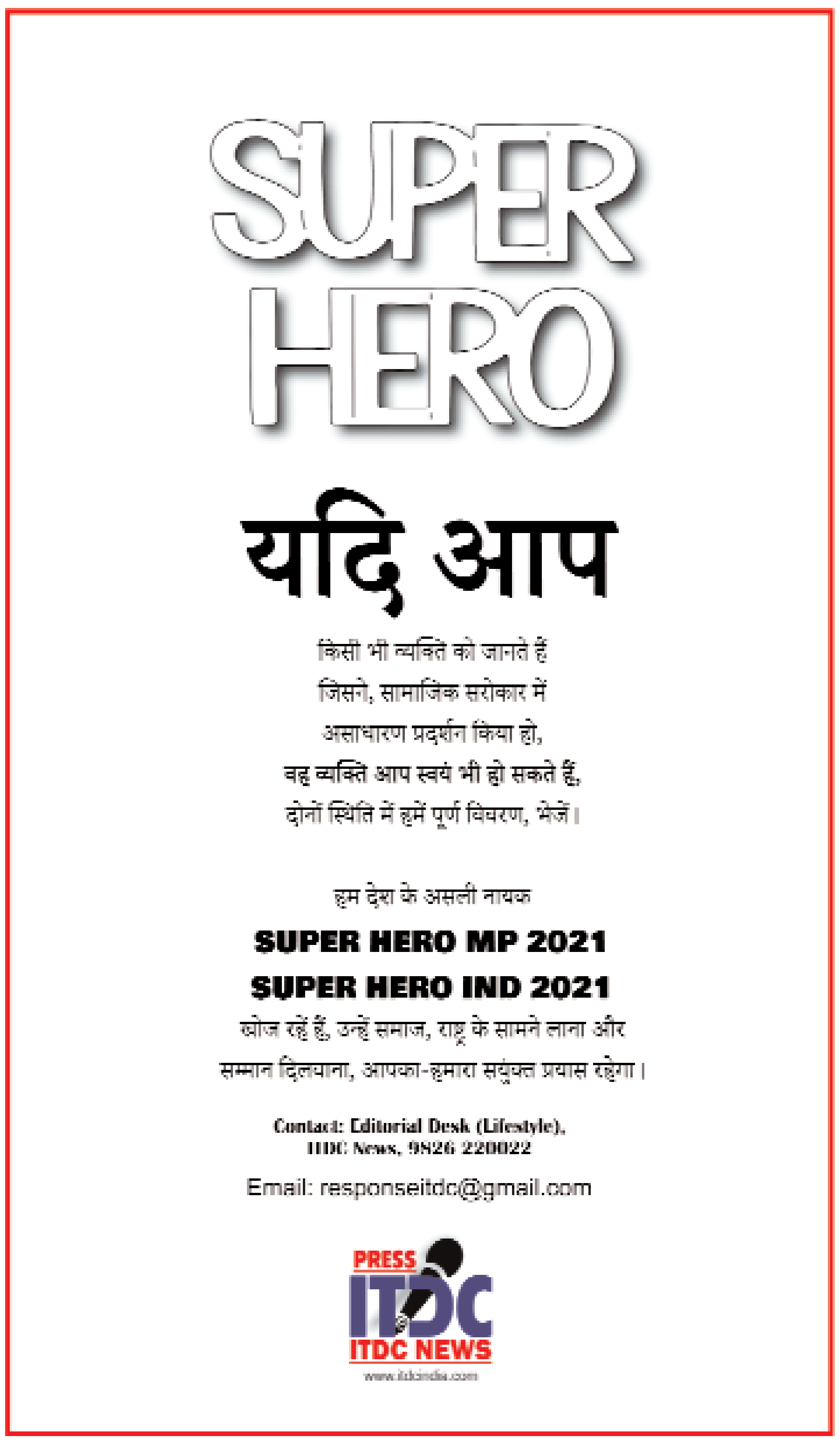

मुंबई इंडियंस से हार्दिक विदाई:रिटेन न होने से निराश पांड्या ने लिखा-

यादों को जीवनभर संजोकर रखूंगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

हार्दिक पंड्या मुंबई इंडियंस की ओर से रिटेन नहीं किए जाने से निराश हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर मुंबई इंडियंस को अलविदा कह दिया है। उन्होंने अब तक के सफर का वीडियो शेयर किया है और भावनात्मक कैप्शन लिखे हैं। उन्होंने लिखा, मैं इन यादों को जीवन भर अपने साथ संजोकर रखूंगा, मैं इन पलों को जीवन भर अपने साथ रखूंगा। मैंने जो दोस्त बनाए हैं, जो बंधन बने हैं, लोग, प्रशंसक, मैं उनका हमेशा आभारी रहूंगा। मैं सिर्फ एक खिलाड़ी के तौर पर नहीं, बल्कि एक इंसान के तौर पर भी बड़ा हुआ हूं। पंड्या ने आगे लिखा, मैं बतौर युवा क्रिकेटर बड़े सपनों के साथ यहां आया था। हम साथ में जीते, हम साथ में हारे और हम साथ में लड़े। इस टीम के साथ बिताया हर पल मेरे दिल में खास जगह रखता है। वे कहते हैं कि सभी अच्छी चीजों का अंत होता ही है, लेकिन मुंबई इंडियंस हमेशा मेरे दिल में रहेगी।

पंड्या ने मुंबई इंडियंस के लिए 27.33 की औसत से रन बनाए:- पंड्या ने मुंबई इंडियंस के लिए 27.33 की औसत से 1476 रन बनाए हैं और 42 विकेट भी लिए हैं। IPL के 14 वें सीजन में उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा और वे 14.11 की औसत से 127 रन बना पाए थे। वहीं गेंदबाजी की बात की जाए, तो उन्होंने पिछले सीजन एक भी ओवर नहीं डाला था।

मुंबई इंडियंस ने चार खिलाड़ियों को किया है रिटेन:- ङ्कक्क 2022 के लिए मुंबई इंडियंस ने कप्तान रोहित शर्मा, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और सूर्य कुमार यादव को रिटेन किया है। वहीं कैरिबियाई ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड को भी फ्रेंचाइजी ने बरकरार रखा है। चार खिलाड़ियों को रिटेन करने के बाद मुंबई इंडियंस आगामी मेगा ऑक्शन में 48 करोड़ रुपए की बकाया पर्स के साथ जाएगी।

अहमदाबाद से जुड़ सकते हैं हार्दिक

मुंबई इंडियंस से अलग होने के बाद हार्दिक पंड्या के अहमदाबाद की टीम के साथ जुड़ने की संभावना जताई जा रही है। हार्दिक गुजरात के शहर वडोदरा से ही ताल्लुक रखते हैं, ऐसे में अहमदाबाद फ्रेंचाइजी उनको शामिल कर अपने फैन बेस में इजाफा करना चाहेगी और साथ ही टीम को मजबूती भी मिलेगी।

IT 04 DEC 2021:IT 04 DEC 2021.qxd 12/3/2021 5:31 PM Page 8

न्यूज ब्रीफ

उद्योगों को गुजरात आने का न्योता

गुजरात। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने वैश्विक और घरेलू उद्योगों को अपना कारोबार उनके राज्य में स्थानांतरित करने के लिए आज आमंत्रित किया। महामारी के बाद अपना ठिकाना बदलने का प्रयास कर रहे कारोबारियों से पटेल ने कहा कि गुजरात में निवेश के अनुकूल माहौल है और वहां अवसरों की भी भरमार है। पटेल ने ये बातें वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के पहले यहां आयोजित एक रोड शो में कहीं। अगले वर्ष जनवरी में आयोजित होने जा रहे वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के 10वें संस्करण को %आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत% की थीम पर आयोजित किया जा रहा है। पटेल ने कहा कि बीते ढाई दशक में राजनीतिक स्थिरता, समग्र विकास को लेकर प्रतिबद्धता तथा अनुकूल माहौल ने गुजरात को वैश्विक विकास का रोल मॉडल बनाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने जोर दिया कि पूरी दुनिया में गुजरात को निवेश की दृष्टि से भारत का सबसे पसंदीदा राज्य माना जाता है। उन्होंने कहा कि गुजरात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत के विकास के लिए देखे गए आत्मनिर्भर भारत के विजन को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। पटेल ने कहा कि राज्य सरकार अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे, ऊर्जा, डिजिटल नेटवर्क, फिनटेक, स्टार्टअप, ई-वाहन, शोध एवं विकास, पर्यटन आदि क्षेत्रों में अधिक से अधिक निवेश आकर्षित करने पर ध्यान दे रही है। उन्होंने वित्तीय संस्थानों, फिनटेक कंपनियों तथा स्टार्टअप को आमंत्रित किया कि वे राज्य की गिफ्ट सिटी में निवेश करें तथा वहां से कारोबार करें। राज्य केमुख्य सचिव पंकज कुमार ने सम्मेलन के मुख्य बिंदु प्रस्तुत करते हुए कहा कि 33 लाख एमएसएमई राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं।

ट्विटर पर आपके फॉलोअर्स रातों-रात कम हो गए, तो मिलेगा फायदा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बीती रात से एक बार फिर ट्विटर चर्चा में आ गया है। गुरुवार को इस प्लेटफॉर्म पर अचानक यूजर्स के फॉलोअर्स की संख्या घट गई। जिसके बाद ट्विटर पर ही ट्विटर को लेकर शिकायतों का दौर शुरू हो गया। सालों से जिन यूजर्स के फॉलोअर्स धीरे-धीरे बढ़ रहे थे, अचानक उनके कम होने पर गुस्सा तो आएगा ही। फॉलोअर्स कम होने पर लोगों ट्विटर के नए ष्टश्वह्र पराग अग्रवाल को भी घेर लिया। विपक्षी दलों से जुड़े कई नेताओं और उनके समर्थकों ने इसे पराग और भाजपा के बीच की मिलीभगत तक बता दिया।

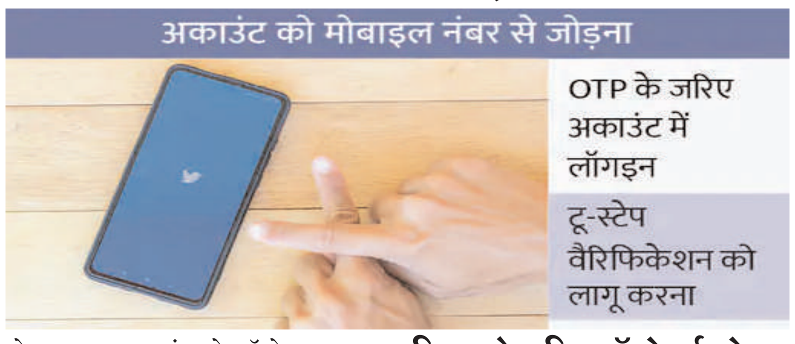

ट्विटर पर किसी को फॉलो करने से जुड़े नियम

ट्विटर ने किसी ट्विटर अकाउंट को फॉलो करने के लिए कुछ नियम भी तैयार किए हैं। ये नियम इसलिए बनाए गए हैं ताकि बोट्स या फेक अकाउंट को कंट्रोल किया जा सके। कुछ ऐसे हैं ये नियम... ट्विटर पर एक यूजर रोजाना 400 अकाउंट को फॉलो कर सकता है। वैरिफाइड अकाउंट वाले यूजर्स एक दिन में 1000 अकाउंट्स को फॉलो कर सकते हैं। प्रत्येक अकाउंट 5000 अकाउंट को फॉलो कर सकता है। इसके बाद नए अकाउंट तभी फॉलो कर पाएंगे जब आपके अकाउंट को फॉलो करने वालों की संख्या में इजाफा होता है। 5000 से ज्यादा अकाउंट को फॉलो करने वाला नंबर्स हर अकाउंट के लिए अलग-अलग होता है। यूनीक रेशियो के आधार पर इसे ऑटोमैटिक कैल्कुलेट किया जाता है।

ट्विटर ने आखिर फॉलोअर्स को कम क्यों किया?

ज्यादातर लोगों के मन में यही सवाल है कि आखिर उनके फॉलोअर्स अचानक से कम क्यों हो गए? इस बारे में टेक एक्सपर्ट अभिषेक तैलंग ने बताया कि फॉलोअर्स कम होने से लोगों को घबराने के जरूरत नहीं है। किसी भी सोशल प्लेटफॉर्म पर ऐसा होता है, जब लोगों के फॉलोअर्स या सब्सक्राइबर्स कम हो जाते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कंपनियां बोट्स (एक तरह के फेक अकाउंट) को हटाती हैं। ये ऐसे अकाउंट होते हैं जो ट्विटर पर फेक न्यूज या प्रोपेगेंडा फैलाते हैं। सालभर में कंपनियां ऐसे अकाउंट्स को हटा देती हैं। ट्विटर ने जो किया वो अपनी कम्युनिटी गाइडलाइन के तहत किया है। ऐसा नहीं है कि बोट्स को हटाने का काम सिर्फ ट्विटर द्वारा किया जाता है, बल्कि फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब जैसे सभी प्लेटफॉर्म भी ऐसा करते रहते हैं। नए ढ्ढञ्ज नियमों को बाद से सभी सोशल प्लेटफॉर्म को ऐसे अकाउंट्स पर बैन लगाना अनिवार्य हो गया है जिनके खिलाफ किसी तरह की शिकायत मिलती है, या फिर जो फेक कंटेंट को बढ़ावा दे रहे हैं। जैसे, सितंबर में वॉट्सऐप ने 20 लाख से ज्यादा अकाउंट को बैन कर दिया था। आपका अकाउंट फेक है या नहीं, इस बात का पता लगाने के लिए कंपनियां सिक्योरिटी का लेवल लगातार बढ़ा रही हैं। जैसे, अकाउंट का टू-स्टेप वैरिफिकेशन किया जाता है।

इस तरह फॉलोअर्स घटाने से ट्विटर को क्या मिलेगा?

भारत में ट्विटर के करीब 2.45 करोड़ यूजर्स हैं। इनमें कई बोट्स यानी फेक अकाउंट्स भी हो सकते हैं। लगातार फेक अकाउंट्स पर कंपनी नजर नहीं रख पाती है। ऐसे में वो सालभर के दौरान कुछ सेफ्टी फिल्टर्स की मदद से इन अकाउंट्स पर बैन लगा देती है। ऐसा करने से ट्विटर को दो फायदे होते हैं। पहला ऐसे अकाउंट्स प्लेटफॉर्म से हट जाते हैं जो फेक कंटेंट या प्रोपेगेंडा फैलाते हैं। दूसरा, ऐसे अकाउंट्स के हटने से उसका सर्वर का भार कम होता है। इन सब के साथ फेक कंटेंट से कंपनी को लेकर जो इमेज बनती है, उसे सुधारने में मदद मिलती है। इसका सीधा जवाब है कि सभी यूजर्स को फायदा होगा। इस बात को एक छोटे से उदाहरण से समझते हैं। मान लीजिए आपके ट्विटर अकाउंट के 1000 फॉलोअर्स हैं।

क्रेडिट कार्ड खर्च 1 लाख करोड़ रुपये के पार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी नए आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर में त्योहारी सीजन के उत्साह की बदौलत क्रेडिट कार्ड से खर्च 1 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया, जो रिकॉर्ड है। इस तरह पिछले कुछ महीनों के दौरान नजर आया रुझान बरकरार है। सितंबर में भी क्रेडिट कार्ड से अच्छा खासा खर्च किया गया था मगर अक्टूबर का खर्च उससे भी करीब 25 फीसदी अधिक रहा। पिछले अक्टूबर के मुकाबले इसमें 56 फीसदी बढ़ोतरी दर्ज की गई। अक्टूबर, 2020 में क्रेडिट कार्ड से 64,891.96 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। इस साल सितंबर में क्रेडिट कार्ड से 80,477.18 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे और जुलाई में खर्च 77,981 करोड़ रुपये रहा था। पिछले कुछ महीनों के दौरान खर्च महामारी से पहले के स्तरों से काफी अधिक रहा है। जनवरी, 2020 में क्रेडिट कार्ड खर्च 67,402.25 करोड़ रुपये और फरवरी में 62,902.93 करोड़ रुपये रहा था। मैक्वायरी कैपिटल में सहायक निदेशक सुरेश गणपति ने कहा, %तेज आर्थिक सुधार की बदौलत पिछले कुछ महीनों के दौरान क्रेडिट कार्ड खर्च काफी अच्छा रहा है। अक्टूबर त्योहारी महीना भी था, जिस कारण क्रेडिट कार्ड खर्च में अच्छी बढ़ोतरी हुई होगी। मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशियल सर्विसेज के उपाध्यक्ष (अनुसंधान-बैंकिंग क्षेत्र, संस्थागत इक्विटी) नितिन अग्रवाल ने कहा, %पिछले कुछ महीनों के दौरान क्रेडिट कार्ड खर्च में वृद्धि देश में आर्थिक सुधार को दर्शाती है। अर्थव्यवस्था काफी खुल गई है और आर्थिक गतिविधियों ने भी रफ्तार पकड़ ली है। कार्ड लेने की दर में भी इजाफा हुआ है। इन सभी कारकों ने भी खर्च बढ़ोतरी में योगदान किया है। उन्होंने कहा, त्योहारी सीजन में ऑनलाइन खर्च के अलावा ऑफलाइन खर्च में भी इजाफा हुआ है। देखना होगा कि 1 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा बरकरार रहता है या नहीं, लेकिन क्रेडिट कार्ड बाजार के कम प्रसार और देश में डिजिटल खर्च में बढ़ोतरी को देखते हुए यह रुझान जारी रहने के आसार हैं। कार्ड लेने में भी दो अंकों में वृद्धि रहेगी क्योंकि एचडीएफसी बैंक बाजार में फिर लौट आया है, जबकि आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई कार्ड्स में अच्छी वृद्धि बनी हुई है।

महाराष्ट्रः टीके की दोनों खुराक लेने वाले यात्रियों को आरटी-पीसीआर जांच से छूट

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र सरकार ने गुरुवार को नए दिशानिर्देश जारी किए जिसमें टीके की दोनों खुराक लगाने वाले घरेलू हवाई यात्रियों के लिए आरटी-पीसीआर जांच की अनिवार्यता खत्म कर दी गई है। राज्य ने तीन देशों, बोत्सवाना, दक्षिण अफ्रीका और जिम्बॉब्वे के यात्रियों के लिए सात दिनों के अनिवार्य संस्थागत क्वारंटीन लगाने का भी फैसला किया है। दिशानिर्देशों में यह बदलाव केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के उस दबाव के बाद हुआ है जिसमें राज्य से कहा गया कि वह केंद्र के अनुरूप ही अपनी नीतियां बनाए। यूरोप सहित करीब 11 जोखिम वाले देशों/क्षेत्रों के यात्रियों को क्वारंटीन करने के लिए होटल के कमरों की पर्याप्त उपलब्धता नहीं है और इससे भी निर्णय प्रभावित हुए हैं।

इस महीने लॉन्च होने वाली बाइक्स और कार, सुपर बाइक्स से लेकर ईवी कार तक देंगी भारत में दस्तक

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अगर आप भी एक नया टू व्हीलर या कार खरीदने की तैयारी कर रहे हैं, तो आज हम आपको दिसंबर में लॉन्च होनी वाली बाइक्स और कारों के बारे में बता रहे हैं। वैसे तो दिसंबर जो आम तौर पर डोमेस्टिक ऑटो इंडस्ट्री में साल का सबसे ड्राई महीना होता है, फिर भी कुछ कंपनियां है जो दिसंबर में भी लॉन्चिंग की तैयारी कर रही हैं। इसमें हार्ले डैविडसन, केटीएम सहित कई नई बाइक्स और कारें शामिल हैं। आइए इनकी एक्सपेक्टेड कीमत और स्पेसिफिकेशंस के बारे में जानते हैं....

हार्ले डेविडसन स्पोर्ट्स्टर S

हार्ले-डेविडसन इंडिया ने पहले ही ऐलान किया कि वह इस महीने में नए स्पोर्टस्टर स को लॉन्च करेगी। ये लॉन्च आने वाले इंडिया बाइक वीक के दौरान होगा जो 4-5 दिसंबर 2021 को होगा। हार्ले ने देश में अपनी अपकमिंग मोटरसाइकिल की प्री-बुकिंग भी शुरू कर दी है।

केटीएम आरसी390

इस साल की शुरुआत में नई आरसी200 के लॉन्च पर केटीएम ने कहा था कि वह जल्द ही भारत में नई-जनरेशन आरसी390 भी लॉन्च करेगी। पुरानी केटीएम आरसी390 की तुलना में इस नई मोटरसाइकिल को नई डिजाइन दी गई है और इसका वजन भी पुराने मॉडल से लगभग 7 किलो कम है। मौजूदा केटीएम आरसी390 में आरसी6 वाला 373.2cc सिंगल-सिलेंडर इंजन मिलता है, जो मैक्सिमम 43.5 PS की पावर और 37 Nm का पीक टॉर्क जेनरेट करता है। मोटर 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ आता है। नई जनरेशन की केटीएम आरसी390 की कीमत 3 लाख रुपए, एक्स-शोरूम दिल्ली से कम होने की उम्मीद है।

बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कोरोनावायरस के ओमीक्रोन स्वरूप के प्रसार की आशंका के बावजूद देसी शेयर बाजारों में आज लगातार दूसरे दिन जोरदार तेजी देखी गई। हालांकि वायरस के नए किस्म से बाजार में खासा उतार-चढ़ाव बना हुआ है मगर देश के वृहद आर्थिक आंकड़ों में सुधार ने बाजारों को सहारा दिया। बेंचमार्क सेंसेक्स 776 अंक चढ़कर 58,461 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 234 अंक की तेजी के साथ 17,401 पर बंद हुआ। पिछले दो सत्र में सेंसेक्स 1,396 अंक चढ़ा है। कोविड-19 की आशंका के बावजूद बीते मंगलवार को जारी कई आर्थिक संकेतकों से पता चलता है कि देश सुधार की राह पर अग्रसर है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 8.4 फीसदी रही। इसी तरह नवंबर में वस्तु एवं सेवा कर संग्रह 1.31 लाख करोड़ रुपये रहा, जो 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद किसी एक महीने में दूसरा सबसे ज्यादा संग्रह है। देश में विनिर्माण गतिविधियों में भी 10 महीने में सबसे ज्यादा तेजी से सुधार हुआ है। विनिर्माण पीएमआई नवंबर में 57.76 रहा जो अक्टूबर में 55.9 पर था। मार्सेलस इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स के संस्थापक सौरभ मुखर्जी ने कहा, %पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि उत्साहजनक रही। ओमीक्रोन को लेकर व्यक्तिगत स्तर पर चिंता है लेकिन कारोबारी आंकड़े बेहतर दिख रहे हैं। बुहत सारे प्रवर्तक पूंजीगत चक्र को बढ़ाने में लगे हैं। अगर जीएसटी और पीएमआई के आंकड़े दिसंबर और जनवरी में भी इसी तरह मजबूत बने रहते हैं तो इस साल पूंजीगत चक्र में फिर गति आने की धारणा बन सकती है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले दो दिन की तेजी के पीछे तकनीकी वजह रही है और खुदरा निवेशकों ने गिरावट पर ब्लूचिप शेयर खरीदने की रणनीति अपनाई है। पिछले हफ्ते सेंसेक्स अक्टूबर के उच्चतम स्तर से 9 फीसदी नीचे बंद हुआ था। अवेंडस कैपिटल अल्टरनेट स्ट्रैटजीज के मुख्य कार्याधिकारी एंड्रयू हॉलैंड ने कहा कि बाजार में उच्चतम स्तर से 5 से 10 फीसदी की गिरावट की आशंका थी। गिरावट पर ज्यादा खरीदारी हो रही है।

जेट 2.0 की उड़ने की तैयारी : 100 एयरक्राफ्ट खरीदने के लिए बोइंग

नई दिल्ली। जेट एयरवेज एक बार फिर उड़ान भरने की तैयारी कर रहा है। एयरलाइन कंपनी के नए मालिक 12 अरब डॉलर में करीब 100 नेरो बॉडी एयरक्राफ्ट खरीदने के लिए बोइंग और एयरबस स्श्व के साथ बातचीत कर रहे हैं। जेट 2.0 को अगले साल जनवरी से मार्च के बीच शुरू किए जाने की योजना है। कर्ज में दबे होने के कारण जेट एयरवेज अप्रैल 2019 में ग्राउंडेड हो गई थी। इससे पहले एयरलाइन को साउथ एशियन नेशन की सबसे बड़ी प्राइवेट एयरलाइन का दर्जा हासिल था। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के बैंकरप्सी रिजॉल्यूशन प्रोसेस में जेट एयरवेज के विनिंग बिडर्स कालरॉक कैपिटल और मुरारी लाल जालान की कंसोर्टियम थी। कंसोर्टियम के रिप्रेजेंटेटिव अंकित जालान ने न्यूज वेबसाइट ब्लूमबर्ग से कहा कि फ्लाइट को अगले साल पहले तीन महीनों में शुरू किए जाने का प्लान है।

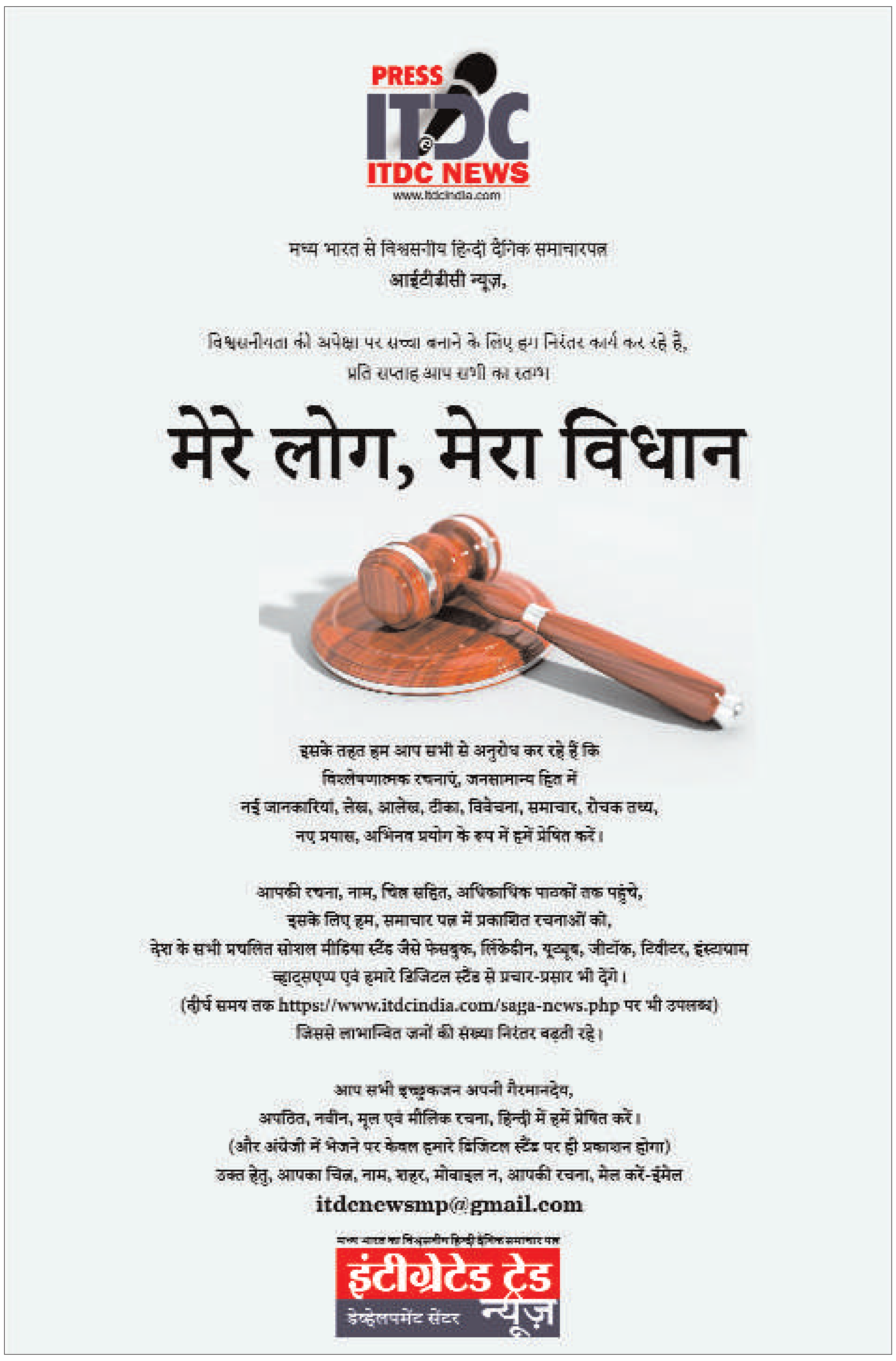

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।